भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 62 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
07 सितंबर 2026 सोमवार

आज का मौसम
27.4 अधिकतम
22.3 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

भारतीय दस्तावेजों के साथ छिपे संदिग्धों की पहचान अब जटिल परीक्षा

छत्मती नदी के जीरो पॉइंट से लौटने के बाद हम गोजाडंगा के आसपास के इलाके से होते हुए बीएसएफ के कैजूरी कैंप की तरफ बढ़े।

राजेश सिरोठिया (बांग्लादेश बॉर्डर से)

यहां सीमा सुरक्षा व्यवस्था की एक अलग तस्वीर दिखाई देती है। कैंप में असिस्टेंट कमांडेंट रैंक के अधिकारी प्रभारी हैं। सुरक्षा कारणों से यहां फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की अनुमति नहीं दी गई। कैंप में सीमा से लगे इलाके की भौगोलिक स्थिति, निगरानी चौकियों और सीमा पार से होने वाली गतिविधियों से जुड़े रिकॉर्ड मौजूद हैं। सुरक्षा अमले से हुई बातचीत में यह भी सामने आया कि सीमा पर तैनात जवानों के लिए स्थानीय स्तर से खाद्य सामग्री खरीदने के बजाय सामान अन्य स्थानों से मंगाने की व्यवस्था रखी जाती है। इसके पीछे सुरक्षा संबंधी आशंकाएं बताई गईं।

कैजूरी क्षेत्र में बरामद आपत्तिजनक और नशीली सामग्री से जुड़े रिकॉर्ड भी मौजूद हैं। इनमें 14 किलो गांजा (marijuana/cannabis)

बीएसएफ का कैजूरी कैंप... सीमा से लगे इलाके की भौगोलिक स्थिति, निगरानी चौकियों और सीमा पार से होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने का जिम्मा इसी कैम्प के पास है।

सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्री की जब्ती का उल्लेख है। सीमा सुरक्षा की चुनौती केवल घुसपैठ तक सीमित नहीं है, तस्करी भी इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत-बांग्लादेश सीमा की भौगोलिक जटिलता इस चुनौती को और बढ़ाती है। करीब 4,000 किलोमीटर लंबी सीमा कई राज्यों से होकर गुजरती है। इनमें त्रिपुरा, मिजोरम, असम और मेघालय से लेकर बंगाल का चिकन नेक यानी सिलीगुड़ी का इलाका भी है। कहीं पहाड़ी क्षेत्र हैं, कहीं घनी आबादी वाला सीधा सपाट मार्ग, कहीं नदी और दलदली भू-भाग। बीच में म्यांमार की सरहद भी है जहां से रोहिंग्या भी अवैध बांग्लादेशियों की तरह बंगाल असम और उत्तर पूर्वी राज्यों से लेकर दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक फैल गए हैं।

चार हजार किमी में से लगभग आधा इलाका तो बांग्लादेश से बंगाल को छूता है। बंगाल में सीमा का बड़ा हिस्सा आबादी और नदी क्षेत्रों से होकर गुजरता है। बंगाल से आगे जलमार्ग के जरिए उड़ीसा तक इनकी घुसपैठ है। ऐसे में हर स्थान पर एक जैसी सुरक्षा व्यवस्था लागू करना आसान नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ रोकने के लिए कड़े निर्देश दिए और असम के सीएम हेमंत विस्वा शर्मा भी इस मुद्दे पर सख्त थे।

सीमा पर तैनात जवानों से मिली जानकारी का एक अहम निष्कर्ष यह है कि सीधे सीमा पार करने की कोशिशों पर निगरानी पहले से कहीं कड़ी है। असली चुनौती उन लोगों की पहचान है जो पहले किसी तरह भारत में दाखिल हुए और बाद में भारतीय पहचान से जुड़े दस्तावेज हासिल कर चुके हैं। अमित शाह ने बंगाल से लगने वाली सरहद पर बीएसएफ के दायरे को 15 किमी से बढ़ाकर 25 किमी करने के निर्देश दिए। लेकिन ममता बनर्जी ने इसका पुरजोर विरोध किया। लेकिन मई 2026 में पश्चिम बंगाल का निज़ाम बदलने के बाद बीजेपी के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने तुरंत केंद्र के प्रस्ताव को सहमति दे दी। उम्मीद की जाए कि अब बीएसएफ अपने इनपुट के आधार पर स्थानीय पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों की मदद से दस्तावेजों की आड़ में छुपे घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस बांग्लादेश भेज सकेगी।

सीमा से अवैध आवाजाही पर हुआ नियंत्रण

यात्रा के दौरान त्रिपुरा सीमा पर तैनात बीएसएफ कर्मी रवींद्र सिंह से भी बातचीत हुई। उनके अनुसार सीमा से अवैध आवाजाही पर काफी नियंत्रण हुआ है और कोशिश करने वालों को वापस धकेला जाता है। कोलकाता के वरिष्ठ पत्रकार अजय विश्वास, जिन्होंने तीन दशक से अधिक समय तक कोलकाता के बड़े समाचार पत्र समूह में रिपोर्टिंग की और चीफ रिपोर्टर के रूप में काम किया, का आकलन है कि चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के बाद बड़ी संख्या में संदिग्ध बांग्लादेशी वापस लौटे। हालांकि उनके मुताबिक कोलकाता और आसपास के इलाकों में अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हो सकते हैं जिनकी पहचान की पड़ताल जरूरी है। यह दावा सरकारी आंकड़ा नहीं, बल्कि एक अनुभवी पत्रकार का आकलन है। लेकिन सीमा पर हमारी पड़ताल से एक बात साफ दिखाई देती है- फेंसिंग के उस पार से घुसपैठ रोकना एक चुनौती है, जबकि फेंसिंग के इस पार भारतीय दस्तावेजों के साथ रह रहे संदिग्ध लोगों की पहचान करना उससे कहीं अधिक जटिल परीक्षा। अब यही परीक्षा बंगाल की नई सरकार, स्थानीय पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के सामने है।

जहरीली शराब से मरने वालों का आंकड़ा 19, सरकारी संख्या अभी भी 12

सस्ती शराब के नाम पर जहर पीते रहे लोग, प्रशासन बेखबर

- लीपापोती में जुटा आबकारी विभाग, कहा- कहीं नहीं मिली जहरीली शराब
- एक गंभीर मरीज को एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा गया

सागर, दोपहर मेट्रो

बंडा और शाहगढ़ तहसील के गांवों में शराब तस्कर सस्ती शराब के नाम पर जहर परोसते रहे और आबकारी विभाग व स्थानीय प्रशासन बेखबर बना रहा। शराब माफिया की हो रही पड़ताल में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। तस्कर नकली बम्बईया व्हिस्की (बॉम्बे) 20 रुपए और सागर गोल्ड 30 रुपए सस्ती बेच रहे थे। इसे पीकर 19 लोगों की मौत हो गई और 160 से ज्यादा निगरानी में हैं।

बताया जा रहा है कि अचानक कम रेट पर शराब मिलने से पीने वालों को शक भी हुआ। जब उन्होंने तस्करों से पूछा कि 'कहीं यह शराब नकली या जहरीली तो नहीं तो सफाई देते हुए कहा गया- उसी ब्रांड की नए फार्मूले की शराब है, इसलिए सस्ती मिल रही है। मामले में बंडा और विनायका थाने में 30 लोगों के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। परिजनों और ग्रामीणों के आरोपों के बाद बरेठी, बंडा, शाहगढ़, मगरधा, विनायका, दलपतपुर और बरायठा की 7 शराब दुकानों को सील कर दिया है। 84 मरीज अस्पताल में

मरीजों से मुलाकात करते स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल।

भर्ती हैं। एक गंभीर रूप से बीमार मरीज को एयरलिफ्ट करके एम्स भोपाल भेजा गया है।

सूत्रों के अनुसार सागर पुलिस को नकली व जहरीली शराब यूपी के ललितपुर से लाए जाने के इनपुट मिले हैं। वहीं, दूसरी ओर आबकारी विभाग लीपापोती करता नजर आ रहा है। आबकारी अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई शराब नहीं मिली है जिसे संदिग्ध या जहरीली माना जा सके। सागर पहुंचे उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि लापरवाहों पर कठोरी कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी शराब दुकानों की जांच, उनके स्टॉक की निगरानी और अवैध कारोबार की गहन जांच के निर्देश दिए। प्रभावित गांवों में अब स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर स्क्रीनिंग कर रही हैं। प्रशासन ने अपील की है कि बीते 24 से 48 घंटों में शराब पीने वाले व्यक्ति उल्टी, सिरदर्द, धुंधला दिखने या ऐंठन जैसे लक्षण आने पर तुरंत अस्पताल पहुंचें।

उपमुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक...पेज-5

हवाई किराए में मनमानी पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। हवाई किराए में मनमानी बढ़ोतरी और निजी एयरलाइंस के एक्स्ट्रा चार्ज पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हो रही है। केस जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में लिस्टेड है।

केंद्र सरकार ने 17 अगस्त को कहा था कि नए नियमों को 3 हफ्ते में फाइनल कर दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था- इसे सात दिन के भीतर प्रकाशित कीजिए। अगर एयरलाइंस पालन नहीं कर रही हैं तो उन्हें जमीन पर खड़ा कर दीजिए।'

बेसमेंट में तोड़फोड़ से गिरी थी 5 मंजिला इमारत

दिल्ली पीजी हादसा: मलबे से अब तक 7 शव निकाले

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में रविवार दोपहर गिरी इमारत का मलबा अभी भी हटाया जा रहा है। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है और 12 लोगों को बचाया गया है।

5 लोग गंभीर घायल हैं, जिन्हें एम्स में भर्ती कराया गया है। अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू डॉग और कैमरे के सहायता से लोगों की तलाश की जा रही है। हादसा दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में कल दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ था। गिरी इमारत करीब 40 साल पुरानी थी। दिल्ली नगर निगम के रिकॉर्ड में इस इमारत को खतरनाक घोषित नहीं किया गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक इमारत के बेसमेंट में पिछले 7 दिनों से तोड़फोड़ का काम चल रहा था। बेसमेंट पहले से कमजोर था और उसमें पानी भी भरा हुआ था। खुदाई के

दौरान एक पिलर खिसक गया, जिससे पूरी इमारत ढह गई। हादसे के समय वहां काम कर रहे मजदूर भी मलबे में दब गए।

इमारत के पास बनी एक दूसरी बिल्डिंग को भी खाली करा लिया गया है। उसमें दरारें दिखाई दी हैं। रेस्क्यू टीम के मुताबिक, मलबा हटाने के दौरान इस बिल्डिंग के भी गिरने का खतरा है। इसे सुरक्षित रखने के लिए सपोर्ट देने वाले पिलर लगाए जा रहे हैं।

अमेरिका की घटना

रनवे से बाहर निकला कार्गो प्लेन गाड़ियों से टकराया, पांच की मौत

मियामी। अमेरिका के मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बोइंग कार्गो प्लेन लैंडिंग के बाद रनवे से बाहर निकल गया। इस दौरान प्लेन कई गाड़ियों से टकरा गया और उसमें भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 5 अन्य घायल हुए हैं, जिनमें 3 की हालत गंभीर है।

रिपोर्ट के मुताबिक हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2 बजे हुआ। यह प्लेन अमेजन के प्राइम एयर नेटवर्क के लिए संचालित हो रहा था। विमान प्यूर्टो रिको के लुइस मुनोज मारिन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरकर मियामी पहुंचा था।

कोर्ट का फैसला

फर्जी पासपोर्ट मामले में आचार्य बालकृष्ण बरी

देहरादून। फर्जी पासपोर्ट मामले में आरोपी योग गुरु बाबा रामदेव के सहयोगी आचार्य बालकृष्ण अदालत से बरी हो गए हैं। तृतीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

की अदालत ने केस पर फैसला सुनाया है। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के महामंत्री और बाबा रामदेव के सहयोगी आचार्य बालकृष्ण पर फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र दस्तावेजों के आधार पर भारतीय नागरिकता के बगैर पासपोर्ट बनवाने का आरोप था।

इस मामले में बालकृष्ण को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने जांच में दावा किया कि आचार्य ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा स्थित श्री राधा कृष्ण संस्कृत महाविद्यालय से 1997 में फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र हासिल किया। वहां से प्राचार्य प्रोफेसर नरेश द्विवेदी ने उन्हें यह प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए। इस मामले में प्रोफेसर द्विवेदी को भी सीबीआई ने सह आरोपित बनाया था।

बिहार के 12 जिलों में बाढ़, यूपी के बरेली में फायर स्टेशन में पानी भरा

कश्मीर के बाद अब उत्तराखंड में बर्फबारी

नई दिल्ली/देहरादून, एजेंसी

कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है।

बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति बन गई है। राज्य के 12 जिलों में 22.42 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर में रिंग बांध ओवरफ्लो होने से सुल्तानगंज के करीब 4 हजार घर पानी में डूब गए।

वहीं, यूपी में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। बरेली में हो रही बारिश के चलते फायर स्टेशन में 3 फीट तक पानी भर गया।

अशोका गार्डन के रहवासी कर रहे नियमित सफाई और मेंटेनेंस की मांग, लेकिन जिम्मेदार हैं कि सुनते ही नहीं

ये है निगम का नर्मदा पार्क...जगह-जगह कचरा और बारिश का पानी, शराबखोरों का ठिया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन क्षेत्र का नर्मदा पार्क इन दिनों बदहाली की तस्वीर बन गया है। सफाई और रखरखाव के अभाव में पार्क में जगह-जगह बारिश का पानी जमा है। कचरे के साथ मिलकर यह बदबू पैदा कर रहा है। इससे लोगों का पार्क में जाना भी दूभर हो गया है। आसपास के रहवासी भी परेशान हो रहे हैं। हालात यह हैं कि जिस पार्क को लोगों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित जगह होना चाहिए, वही अब अव्यवस्था का अड्डा बनता जा रहा है। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि शाम होते ही पार्क में असामाजिक तत्वों और शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। इससे परिवार और बच्चों के साथ आने वाले लोगों में असुरक्षा का माहौल है।

पनपने लगे मच्छर

पार्क में लंबे समय से जमा पानी में मच्छर तक पनपने लगे हैं। जल निकासी की व्यवस्था न होने से समस्या और बढ़ गई है। रहवासियों ने नगर निगम से तत्काल सफाई, जलनिकासी, कीटनाशक दवा के छिड़काव और नियमित निगरानी की मांग की है।

पार्क को मेंटेनेंस की जरूरत, हर जगह टूट-फूट, बैठने को कुर्सियां भी टूटीं

पार्क का मेंटेनेंस न होने से यहां की व्यवस्थाएं भी ध्वस्त हो रही हैं। एक ओर जहां कुर्सियां टूट गईं। वहीं फाउंटेन की हालत भी खस्ताहाल है। पार्क में बड़े-बड़े घासों के उग जाने से सांप-बिच्छुओं का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि नियमित सफाई और देखरेख ही नहीं हो रही है। इससे कॉलोनी के बच्चों का पार्क में खेलना तक बंद हो गया है। ऐसे में बच्चे कहां जाएं। जो बुजुर्ग पहले पार्क में टहलने जाते थे, अब वह भी बंद है। उनकी जगह असामाजिक तत्वों ने ले ली है। वे जहां-जहां बैठकर मजमा लगा कर शराबखोरी कर रहे हैं। इससे कॉलोनी की सुरक्षा भी खतरे में है।

न्यूज विंडो

3 खसरे मिलाकर बिना अनुमति बसा रहे थे कॉलोनी, चला बुलडोजर

भोपाल। जिला प्रशासन ने रविवार को बैरागढ़ कलां में 4.36 एकड़ कृषि भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई की। टीएंडसीपी और नगर निगम की मंजूरी के बिना कॉलोनी विकसित की जा रही थी। टीम ने जेसीबी से पहुंच मार्ग खोद दिए और बाउंड्रीवॉल व प्लिंथ लेवल के निर्माण ढहा दिए। खसरा नंबर 44, 45/1 और 46/1 की करीब 2 एकड़ जमीन महाकाल एंटरप्राइजेज के अंकित आहूजा के नाम दर्ज है, जहां मनोहर मीणा काम करा रहा था। खसरा 60/2/2 अंश की करीब 2 एकड़ जमीन देवेन्द्र सिंह रंधावा और परमिन्दर पाल सिंह के नाम है, जहां देवेन्द्र सिंह मीणा अवैध विकास कर रहा था। वहीं खसरा 48/2 की करीब 0.36 एकड़ जमीन बालमुकुंद के नाम दर्ज है, जिस पर संदीप फूला प्लॉटिंग कर रहा था।

भोपाल स्टेशन पर मिली गंदगी तो ठोंका 35 हजार रुपए का जुर्माना

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए रेल प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। स्टेशन परिसर और ट्रेनों में कचरा फेंकने, नियम तोड़ने और गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के खिलाफ कुल 104 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनसे 35,800 रुपए का जुर्माना वसूला गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे स्टेशन को साफ-सुथरा रखने के लिए लगातार उद्घोषणाओं के जरिए यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि 'स्वच्छ स्टेशन-स्वच्छ यात्रा' के संकल्प को पूरा किया जा सके। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन परिसर में कचरा केवल निर्धारित डस्टबिन में ही डालें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

शहर के स्कूलों में विद्यार्थियों का प्रवेश कम, 3 बीआरसीसी को नोटिस

भोपाल। शहर के स्कूलों में प्रवेश की कमी को लेकर जिला परियोजना समन्वयक ने भोपाल के तीन बीआरसीसी को नोटिस जारी किया है। इसमें बीआरसीसी फंदा ग्रामीण रूपाली रिछारिया, बीआरसीसी बैरसिया राम किशन गुर्जर व बीआरसीसी फंदा पुराना शहर सुरेंद्र रघुवंशी शामिल हैं। डीपीसी सिद्धार्थ जैन ने जारी नोटिस में कहा है, निर्देशों के बाद भी स्कूलों में नामाकंन की स्थिति में विशेष सुधार नहीं हुआ। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा निर्देशित किए जाने के उपरांत भी कार्य न करने वाले लोकसेवकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किए गए हैं और न ही अशासकीय शालाओं के आरटीई के प्रावधान अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित की। बीआरसीसी ने कार्य की महत्ता को गंभीरता से न लेकर लापरवाही की गई है। तीनों से तीन दिन में जवाब मांगा है।

एनजीटी का सर्वे जारी, कैचमेंट में निजी अस्पताल, निर्माणाधीन क्रूज साइट भी

निगम की मिलीभगत से बड़े तालाब की हदें घटी, वरना 4 मैरिज गार्डन कैसे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर बड़े तालाब के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) का वैज्ञानिक सर्वे आज पूरा हो जाएगा। दो अलग-अलग टीमें लगातार सर्वे कर रही हैं। इस बार टीम ने गौहरमहल से ड्रोन उड़ाया और हकीकत देखी। टीम ने खानूगांव में भी ड्रोन उड़ा एफटीएल की हकीकत देखने की कोशिश की। चिरायु अस्पताल तक ड्रोन उड़ा तो हालात देखकर टीम चौंक गई। तालाब के कैचमेंट एरिया में हर तरफ पानी ही पानी नजर आया। टीम ने ड्रोन से करीब 400 फीट ऊंचाई से फोटो लिए और वीडियोग्राफी भी की। खानूगांव, हलालपुरा लालघाटी क्षेत्र तालाब के एफटीएल के दायरे में चार मैरिज गार्डन और मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल मिला। ग्रीन बेल्ट को दिखाने वाली मुनारें तक गायब मिलीं। इतना ही नहीं, आर्मी स्पोर्ट्स एरिया भी एफटीएल के अंदर ही मिला। कई जगह रिटेनिंग वॉल के ऊपर से पानी बहता दिखा। इससे यह तो साफ हो गया है कि नगर निगम और जिम्मेदार अफसरों की मिलीभगत से ही तालाब के एफटीएल को कब्जाने का खेल लंबे समय से चल रहा था। अब जांच पूरी करने के बाद विशेष सर्वे टीम एनटीजी को रिपोर्ट पेश करेगी। वीडियो और फोटो भी रखे जाएंगे।

लालघाटी में कैचमेंट में ही निजी अस्पताल

खानूगांव में निजी अंडर कंस्ट्रक्शन क्रूज साइट एफटीएल के अंदर ही मिला। आर्मी स्पोर्ट्स एरिया भी इसी दायरे में मिला। हलालपुर में फिजा मैरिज फॉर्म, लैंडमार्क मैरिज गार्डन, ग्रीन सिटी मैरिज गार्डन, फरिश्ता गार्डन संचालित होते मिले। लालघाटी इंदौर हाईवे पर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एफटीएल के अंदर ही मिला। इतना ही नहीं, कई स्थानों पर तालाब की सीमा और ग्रीन बेल्ट दर्शाने वाली मुनारें उखड़ी मिलीं। कई जगह रिटेनिंग वॉल के ऊपर से पानी बहता दिखा। करबला पंप हाउस के सामने, शीरीन नदी के आसपास और अन्य स्थानों पर तालाब में जलकुंभी और पानी में उगने वाली घास का फैलाव भी देखा। खानूगांव क्षेत्र में कई स्थानों पर एफटीएल एवं ग्रीन बेल्ट के मुनारें नहीं दिखीं।

झुग्गियों के अतिक्रमण

कई जगहों पर रिटेनिंग वॉल के ऊपर पानी बहता दिखा है। कई जगह मकान, झुग्गियां सहित बड़े-बड़े अतिक्रमण का पता चला है। बताते हैं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बड़ी झील का वैज्ञानिक सर्वे करके एनजीटी को रिपोर्ट देगी। इसके बाद 2017 से चिह्नित अतिक्रमण तीन महीने में हटाया जाएगा। सर्वे में रियल टाइम फोटो और वीडियोग्राफी की जा रही है। बारिश के चलते झील ने अपनी सीमाएं खुद बता दी हैं। ऐसे में झील के कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण की स्थिति क्लीयर हो जाएगी। एनजीटी की टीम ने उन स्थानों का भी निरीक्षण किया, जहां पानी वास्तविक रूप से काफी आगे तक फैला था। सूत्रों की मानें तो यही तालाब का वास्तविक कैचमेंट है।

आज बैरागढ़ में नापेंगे एफटीएल

सर्वे टीम को हलालपुरा कोहेफिज़ा फार्म क्षेत्र में पक्का पुल बना हुआ मिला। इसके आगे तक पानी फैला हुआ था। लैंडमार्क मैरिज गार्डन के पीछे सड़क के आसपास करीब 6 फीट का भराव दिखाई दिया। आसपास पानी मौजूद था और पास ही बड़े मैरिज गार्डन तथा पार्किंग से संबंधित भराव भी दिखा। यहां भी एफटीएल की मुनारें गायब थीं। आज टीम बैरागढ़ क्षेत्र में सर्वे करने जा रही है। इसके साथ ही पूरे तालाब क्षेत्र के कैचमेंट की वास्तविक हालत दस्तावेजों में बंद कर दी जाएगी।

कहां कैसी स्थिति

गौहरमहल: इस दौरान आसपास के क्षेत्र सहित कोहेफिजा का एरिया ड्रोन से कवर किया गया है। इसमें झील के कैचमेंट एरिया में कई तरह के अतिक्रमण सामने आए हैं।

खानूगांव: अंडर कंस्ट्रक्शन क्रूज साइट, आर्मी स्पोर्ट्स एरिया की तरफ ड्रोन उड़ाया गया। इस दौरान पूरा खानूगांव कवर किया गया है, यहां पहले भी कई अतिक्रमण सीमांकन के दौरान सामने आ चुके हैं। कई जगह अतिक्रमण दिखे। वरिष्ठ पर्यावरणविद व टीम के सदस्य सुभाष सी. पांडेय व राशिद नूर ने बताया कि कई जगह कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण मिले हैं।

छात्राओं से बोले-आईडी दिखाओ

फ्रेशर्स पार्टी में नाबालिग छात्राओं की सूचना पर हंगामा होटल हयात में घुसे बजरंगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रानी कमलापति स्टेशन स्थित होटल हयात पैलेस में शनिवार देर रात निजी यूनिवर्सिटी की फ्रेशर्स पार्टी के दौरान हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। उन्हें पार्टी में नाबालिग छात्राओं को एंट्री देने की सूचना मिली थी। वे होटल पहुंचे और छात्राओं की आईडी चेक करने की मांग करने लगे। पार्टी आयोजक और होटल स्टाफ ने उन्हें समझाने की कोशिश की। बताया कि किसी नाबालिग को प्रवेश नहीं दिया गया है। इसके बाद भी कार्यकर्ता शांत नहीं हुए। पुलिस की मौजूदगी में करीब एक घंटे तक होटल के अंदर नारेबाजी और हंगामा चलता रहा।

हंगामा बढ़ा तो होटल स्टाफ ने गेट बंद कर पार्टी में शामिल छात्र-छात्राओं को हॉल में सुरक्षित पहुंचाया। हालांकि कार्यकर्ता वहां भी पहुंच गए। अब तक सामने आए वीडियो में कुछ कार्यकर्ता बंद गेट पर लात मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने पार्टी में शामिल छात्राओं की आईडी भी चेक की।

शिकायत नहीं मिलने पर कार्रवाई नहीं

जीआरपी हबीबगंज थाना प्रभारी अमित शर्मा के ने बताया कि हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को नाबालिग छात्राओं के पार्टी में शामिल होने की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर वे होटल पहुंचे थे। पुलिस पूरे घटनाक्रम से जुड़े वीडियो की भी जानकारी ले रही है होटल स्टाफ, हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं और पार्टी आयोजकों में से किसी भी पक्ष ने थाने में शिकायत नहीं की है। इसलिए किसी पर कार्रवाई नहीं की गई है।

कागज की गड्डी दी, ठग बोले-रुपए हैं और फरार हो गए, पुलिस कर रही तलाश

हमीदिया में मदद के बहाने 62 साल की बुजुर्ग को लूट का डर दिखया, जेवर उतरवा कर भागे ठग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हमीदिया अस्पताल में इलाज कराने आई 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला को दो शातिर ठगों ने झांसे में लेकर उनके सोने के जेवर ठग लिए। आरोपियों ने लूट का डर दिखाकर महिला से मंगलसूत्र व कान के टॉप्स उतरवा लिए और बदले में कपड़े में लिपटी कागज की गड्डी थमा दी। कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, नरसिंहगढ़ निवासी अशरफी बाई वंशकार 3 सितंबर को हमीदिया अस्पताल आई थीं। दवा लेने के दौरान दो युवक मदद के बहाने उनके पीछे लग गए और नक्कारखाना गेट ले आए। रास्ते में आरोपियों ने इलाके में बदमाशों के डर का झांसा दिया और 500-500 के नोटों की कथित गड्डी दिखाकर जेवर देने को कहा।

महिला का विश्वास जीतने के लिए उन्होंने गड्डी से तीन असली नोट भी निकालकर दिखाए। महिला ने झांसे में आकर गहने दे दिए, जिसके बाद आरोपी उन्हें ऑटो में बैठाकर रफूचक्कर हो गए। घर पहुंचकर गड्डी खोलने पर कागज की कतरनें निकलीं। इसके बाद बुजुर्ग ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस फुटेज खंगालकर ठगों की तलाश कर रही है।

जीजा का व्हाट्सएप हैक कर डॉक्टर से 25 हजार ठगे

कोलार रोड में साइबर ठगों ने जेपी अस्पताल के डॉक्टर डॉ. लोकेश कुमार मित्तल से 25 हजार रुपए ठग लिए। ठग ने उनके जीजा प्रवीण अग्रवाल का व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर तत्काल पैसों की जरूरत का संदेश भेजा। डॉक्टर ने भरोसा कर बताए क्यूआर कोड पर 25 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। भुगतान का स्क्रीनशॉट भेजने के बाद फोन पर पुष्टि करने पर उन्हें जीजा का व्हाट्सएप हैक होने का पता चला। शिकायत पर कोलार रोड पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

अरेरा कॉलोनी व रोहित नगर के प्रतिष्ठानों पर है स्टे

सीलिंग पर हाईकोर्ट में 101 मामलों की सुनवाई आज, स्टे हटा तो फिर कार्रवाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आवासीय इलाकों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों पर नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई अभी थमी हुई है। इस मामले में आज हाईकोर्ट में 101 मामलों की संयुक्त सुनवाई होगी। निगम ने सभी मामलों में स्टे हटाने के लिए आवेदन के साथ लिखित जवाब पेश कर पक्ष रखा है। अब हाईकोर्ट के फैसले पर निगम की अगली कार्रवाई निर्भर करेगी। स्टे हटने पर अरेरा कॉलोनी और रोहित नगर समेत कुछ अन्य इलाकों में सीलिंग की कार्रवाई दोबारा शुरू हो सकती है। 5 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद निगम ने पहले 144 मामलों की सूची तैयार की थी। बाद में यह संख्या 125 और फिर 107 हुई। अब निगम सूत्रों के अनुसार 101 मामले न्यायालय में लंबित हैं। निगम की कार्रवाई के विरोध में रविवार को कोटरा सुल्तानाबाद में पैदल मार्च निकाला था। इसमें पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और पार्षद वीनू सक्सेना भी मार्च में शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने जल्द मास्टर प्लान लागू करने की मांग की। बता दें, अब तक निगम ने व्यावसायिक गतिविधियों पर 8200 से ज्यादा नोटिस जारी कर चुका है। 62 हजार से ज्यादा ऐसी संपत्तियां भी चिह्नित कर चुका है।

जांच में खजाने के नुकसान का हिसाब भी नहीं

फाउंटेन घोटाले की जांच ही गड़बड़ जिम्मेदारों के नाम ही कर दिए गायब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जीआइएस के दौरान शहर में लगाए गए फाउंटेन के कथित घोटाले की जांच में नगर निगम की कार्यप्रणाली पर अब नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। निगम की जांच समिति ने स्वीकृत कार्य के मुकाबले कमियां तो दर्ज कर दीं, लेकिन इन कमियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों का नाम नहीं बताया और न ही सरकारी खजाने को हुई आर्थिक क्षति का हिसाब लगाया। बड़ा सवाल यह है कि समिति ने रिपोर्ट के निष्कर्ष के बिंदु क्रमांक पांच में खुद लिखा है समिति द्वारा प्रस्तुत तथ्यात्मक प्रतिवेदन पर नगर पालिक निगम भोपाल का प्रतिउत्तर प्राप्त किया जाना प्रस्तावित है। यानी जिस निगम के काम से जुड़ा मामला है, उसका जवाब लेना बाकी था, फिर भी जांच रिपोर्ट विभाग को भेज दी। लोकायुक्त बता दें कि जीआइएस के दौरान शहर में लगाए गए फाउंटेन के कथित घोटाले को लेकर अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग और प्रभारी कार्यपालन यंत्री आरके त्रिवेदी के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत की गई थी। इस पर पहली जांच अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग द्वारा किए जाने के बाद लोकायुकत ने इसे मानने से इनकार कर दिया था और नए सिरे से जांच के लिए कहा था। संचालनालय ने एक अप्रैल को मामले की जांच के लिए समिति गठित की थी। समिति की जांच रिपोर्ट आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास को भेजी है।

मेट्रो एंकर निगम के 300 से ज्यादा खटारा वाहनों से हादसे का खतरा, 50 साल पुरानी गाड़ी भी दौड़ रही

पीयूसी-फिटनेस के नियम ताक पर, 'कंडम' पहियों पर सफाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम शहर को साफ-सुथरा रखने का दावा करता है, लेकिन उसकी सफाई व्यवस्था खुद खटारा वाहनों के पहियों पर दौड़ रही है। नगर निगम के 300 से ज्यादा पुराने और खटारा वाहन अब भी शहर की सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

इनमें कचरा वाहनों से लेकर अथवा और अन्य नागरिक सेवाओं में इस्तेमाल होने वाले गाड़ियां शामिल हैं। इतना ही नहीं, आलम यह है कि नियमों का पालन कराने वाला निगम का अपना दस्ता ही करीब 50 साल पुराने वाहन से सड़कों पर दौड़ रहा है। प्रदूषण फैला रहा है।

15 साल की समय सीमा पार, फिर भी दौड़ रहे वाहन

रजिस्ट्रेशन नियमों की मानें तो कोई भी कमर्शियल वाहन 15 साल ही चल सकता है, लेकिन निगम के कई वाहनों को 15 साल से अधिक समय हो गया है। इसके बाद भी इन्हें सड़कों पर दौड़ने के लिए छोड़ दिया गया है। ये वाहन न केवल हादसों को न्योता दे रहे हैं बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इन वाहनों का धुआं सांस और फेफड़ों के मरीजों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार लोग शांत बैठे हैं। कचरा परिवहन के काम में लगे वाहनों से बीच सड़क खराबी व ट्रैफिक बाधित होने की आशंका भी बनी रहती है।

पीयूसी-फिटनेस पर सवाल, प्रदूषण का भी अंदेशा

हालत यह है कि निगम के कई पुराने वाहनों के पीयूसी और फिटनेस प्रमाण पत्र की मियाद कब की समाप्त हो चुकी है। नंबर प्लेट तक इन गाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी वाले नहीं लगे हैं। इसके बावजूद निगम संचालक सड़कों पर गाड़ी उतारने से पीछे नहीं हट रहे हैं। इनसे निकलने वाला धुआं शहर की हवा दूषित कर रहा है। लेकिन इन पर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई नहीं करती।

जनता के लिए नियम, निगम के लिए छूट

आम जनता के वाहनों के फिटनेस, पीयूसी और इंश्योरेंस खत्म होने पर ट्रैफिक पुलिस भारी-भरकम चालान ठोकती है। वहीं निगम के 300 से ज्यादा वाहन नियमों की धज्जियां उड़ाकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। निगम प्रभारी परिवहन केंद्रीय कर्मशाा विजय गोयल ने बताया कि दो माह में पुराने वाहन बदले जाएंगे। नए वाहन आने वाले हैं। बता दें कि मानवाधिकार आयोग ने भी निगम के खटारा वाहनों को लेकर पूर्व में संज्ञान लिया था। आयोग ने 15 साल से अधिक पुराने और वैद्य दस्तावेजों के बिना चल रहे सरकारी वाहनों को लेकर रिपोर्ट मांगे जाने के बाद भी निगम की गाड़ियां सड़कों पर फर्राटे भर रही हैं। पर्यावरण में शोर और धुआं घोल रही है।

मध्यप्रदेश में दुष्कर्म-पॉक्सो मामलों पर अब तेज होगी सुनवाई की रफ्तार

लंबित मामलों पर नजर: 67 विशेष अदालतों में हर न्यायालय की होगी समीक्षा

हर अदालत को हर महीने करीब 14 प्रकरण निपटाने का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में दुष्कर्म और बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम से जुड़े मामलों के जल्द निपटारे के लिए अब विशेष त्वरित अदालतों की कार्यप्रणाली की निगरानी और तेज करने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश में सभी स्वीकृत 67 विशेष त्वरित अदालतें संचालित होने के बावजूद बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। 31 मार्च 2026 तक इन अदालतों में 10,628 प्रकरण लंबित थे। इनमें 9,278 मामले ऐसे हैं, जिनमें आरोप पत्र दाखिल हुए दो महीने से अधिक समय बीत चुका है। मामलों के बढ़ते बोझ और निस्तारण की धीमी गति को देखते हुए अब प्रत्येक अदालत के कामकाज की न्यायालयवार समीक्षा की जाएगी। हर विशेष त्वरित अदालत को प्रतिमाह औसतन करीब 14 दुष्कर्म और बाल यौन अपराध से जुड़े मामलों का निपटारा करने के लक्ष्य के अनुरूप काम कराने की तैयारी है।

जनवरी से मार्च 2026 के बीच प्रदेश की विशेष त्वरित अदालतों में 10,533 नए मामले दर्ज हुए। इसके मुकाबले इसी अवधि में केवल 1,323 मामलों का निपटारा हो सका। इनमें सिर्फ 88 मामले ऐसे रहे, जिनमें आरोप पत्र दाखिल होने के दो महीने के भीतर फैसला हुआ। इस तरह निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाए गए मामलों का प्रतिशत महज 7.16 प्रतिशत रहा। आंकड़े बताते हैं कि अदालतों में नए मामलों की आमद और लंबित मामलों के निपटारे के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। ऐसे में पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

जिलों से मांगी जाएगी अदालतवार पूरी जानकारी

मध्यप्रदेश लोक अभियोजन संचालनालय ने सभी जिला अभियोजन कार्यालयों से विशेष त्वरित अदालत और बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम की अदालतों की अद्यतन जानकारी निर्धारित प्रारूप में जुटाने के निर्देश दिए हैं। जानकारी में स्वीकृत और संचालित अदालतों की संख्या, लंबित प्रकरण, जनवरी के बाद प्राप्त नए मामले, निपटाए गए प्रकरण और आरोप पत्र दाखिल होने के दो महीने के भीतर हुए निस्तारण का ब्योरा शामिल होगा। इसके अलावा मामलों की उम्र, दोषसिद्धि दर और डीएनए जांच की स्थिति की भी जानकारी मांगी जा रही है। 31 मार्च 2026 तक लंबित 10,628 मामलों में से 1,350 मामले दो महीने से कम पुराने हैं। वहीं 4,026 मामले दो महीने से एक साल पुराने, 4,936 मामले एक से पांच साल पुराने और 316 मामले पांच साल से भी ज्यादा पुराने हैं।

आरोप पत्र के दो महीने में फैसला देने पर जोर

दुष्कर्म और बाल यौन अपराधों से जुड़े मामलों में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद दो महीने के भीतर फैसला देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके बावजूद मध्य क्षेत्र के चार राज्यों में 31 मार्च 2026 तक लंबित 1,10,005 मामलों में से 1,02,081 मामले ऐसे थे, जिनमें आरोप पत्र दाखिल हुए दो महीने से अधिक समय बीत चुका था। मध्यप्रदेश में भी लंबित 10,628 मामलों में 9,278 मामले इसी श्रेणी में आते हैं।

हर अदालत को साल में 165 मामलों का लक्ष्य

विशेष त्वरित अदालतों के लिए तय मानक के अनुसार प्रत्येक अदालत को साल में 165 दुष्कर्म और बाल यौन अपराध मामलों का निपटारा करना है। इसका मासिक औसत 13.75 यानी करीब 14 मामले प्रतिमाह बैठता है। इसके मुकाबले मध्यप्रदेश में जनवरी से दिसंबर 2025 के दौरान इन अदालतों में औसतन 6.11 मामले प्रति अदालत प्रतिमाह निपटाए गए। यानी निर्धारित लक्ष्य की तुलना में निस्तारण की मौजूदा गति काफी कम रही है। अब अदालतवार प्रदर्शन की निगरानी कर लक्ष्य के अनुरूप निस्तारण बढ़ाने

दोषसिद्धि दर 23.32%, डीएनए जांच पर भी नजर

वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश में दुष्कर्म और बाल यौन अपराध से जुड़े मामलों में दोषसिद्धि दर 23.32 प्रतिशत रही। मध्य क्षेत्र की औसत दर 23.97 प्रतिशत और राष्ट्रीय स्तर पर 17.43 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में समय पर डीएनए जांच को भी महत्वपूर्ण माना गया है। जांच में देरी होने से मुकदमों की सुनवाई प्रभावित होती है। इसलिए डीएनए नमूने लेने से लेकर जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने तक हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है।

अमित शाह की बैठक के बाद बढ़ी निगरानी

19 मई को छत्तीसगढ़ के बस्तर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक में दुष्कर्म और बाल यौन अपराधों से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया था। बैठक के बाद राज्यों से विशेष त्वरित अदालतों के कामकाज, लंबित मामलों और दो महीने की समय-सीमा में हुए निस्तारण की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। अब मध्यप्रदेश में भी पुराने मामलों को प्राथमिकता देकर निपटाने, अदालतों के कामकाज की नियमित समीक्षा करने और जरूरत पड़ने पर विशेष अदालतों की संख्या बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

एक साल में चौथा ट्रांसफर

छलका आईएएस नेहा मारव्या का दर्द, बोलीं-अधीनस्थों की बगावत के बाद मुझे हटा दिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या के लगातार तबादलों का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। 5 सितंबर 2026 की तबादला सूची में नाम आने के बाद नेहा मारव्या ने आईएएस अधिकारियों के सोशल मीडिया ग्रुप में अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की। उन्होंने कहा कि एक साल में यह उनका चौथा तबादला है और इस बार महज 50 दिन में जिम्मेदारी बदल दी गई। नेहा ने अपनी पोस्ट में सवाल उठाया कि जब उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों की कथित अनुशासनहीनता, फाइलें रोकने और उनके साथ दुर्व्यवहार की शिकायत उचित माध्यम से की, तो कार्रवाई कर्मचारियों पर होने के बजाय उनका ही तबादला क्यों कर दिया गया?

नेहा मारव्या ने लिखा कि वह समझती हैं कि आईएएस अधिकारी होने के नाते सरकार उन्हें जहां चाहे वहां पदस्थ कर सकती है और उन्होंने हमेशा सरकारी आदेशों का सम्मान किया है। लेकिन इस बार का तबादला उन्हें बेहद हतोत्साहित करने वाला लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके अधीनस्थ कर्मचारियों ने उनके खिलाफ विरोध खड़ा किया और उन्हें तबादला करवाने की धमकी तक दी। नेहा के मुताबिक, उन्होंने इस कथित अनुशासनहीनता, फाइलें रोके जाने और दुर्व्यवहार की शिकायत की थी। उनका सवाल था कि जब शिकायत उन्होंने की तो कार्रवाई का सामना उन्हें ही क्यों करना पड़ा? उन्होंने लिखा कि यदि अधीनस्थ कर्मचारी किसी अधिकारी के खिलाफ संगठित होकर उसका तबादला करवा सकते हैं, तो इससे पूरी प्रशासनिक व्यवस्था में क्या संदेश जाएगा?

'एक महीने में कोई अधिकारी काम कैसे समझेगा?'

नेहा ने अपने छोटे कार्यकाल को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि किसी अधिकारी को नई जिम्मेदारी संभालने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली और कामकाज समझने में ही समय लगता है, लेकिन उनका कार्यकाल लगातार छोटा होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक वह अपना काम और जिम्मेदारी समझ पाती हैं, तब तक उन्हें हटा दिया जाता है। ऐसे में वह प्रभावी तरीके से काम कैसे कर पाएंगी?

'कई साल तक चुप रही, अब अधीनस्थ धमकाने लगे'

नेहा ने अपनी पोस्ट में कहा कि उन्होंने लंबे समय तक किनारे किए जाने और पर्याप्त काम नहीं मिलने के बावजूद धैर्य रखा। उन्हें उम्मीद थी कि परिस्थितियां बदलेंगी, लेकिन अब स्थिति और खराब हो गई है। उनका आरोप है कि अब अधीनस्थ कर्मचारी उन्हें धमकाने तक लगे हैं। पोस्ट के अंत में उन्होंने व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि हर बार षड्यंत्र करने वाले जीत जाते हैं और वह हार जाती हैं। 5 सितंबर की तबादला सूची के मुताबिक नेहा मारव्या की जिम्मेदारियों में फिर बदलाव किया गया है। इससे पहले भी अलग-अलग पदस्थापना के दौरान उनके कार्यकाल और अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ मतभेद चर्चा में रहे हैं।

प्रदेश में होने वाला है बिजली संकट...

पावर प्लांटों में कोयले की किल्लत, खंडवा में बचा सिर्फ तीन-चार दिन का ही स्टॉक

मानसून ने बढ़ाई बिजली की चिंता, पावर प्लांटों में घटा कोयले का स्टॉक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश अब ताप विद्युत गृहों के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। मानसून के कारण कोयला खदानों में पानी भरने से उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए हैं। वहीं, गीला कोयला रेलवे रैक से उतारने में सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना तक अधिक समय लग रहा है। इसका सीधा असर पावर प्लांटों तक कोयला पहुंचने की रफ्तार पर पड़ रहा है। बारिश के कारण खदान से कोयला निकालने से लेकर उसे रेलवे रैक में लोड करने और फिर ताप विद्युत गृहों तक पहुंचाने की पूरी आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। यदि बारिश का दौर लंबा चलता है तो कुछ प्लांटों में कोयले के भंडार पर दबाव और बढ़ सकता है। हालांकि, बिजली कंपनियां लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हैं।

प्रदेश के ताप विद्युत गृहों में फिलहाल सबसे चिंताजनक स्थिति खंडवा ताप विद्युत गृह की बताई जा रही है। यहां करीब 90 हजार टन कोयला उपलब्ध है, जबकि प्रतिदिन लगभग 25 हजार टन की खपत हो रही है। इस हिसाब से प्लांट के पास करीब तीन से चार दिन का ही स्टॉक बचा है। सामान्य स्थिति में पावर प्लांट पहुंचने के बाद एक कोयला रैक को खाली करने में करीब चार से पांच घंटे लगते हैं। बारिश में कोयला गीला होने के कारण यही प्रक्रिया अब 10 से 20 घंटे तक चल रही है। इससे रेलवे रैक का टर्नअराउंड टाइम बढ़ गया है और नई रैक की उपलब्धता भी प्रभावित हो रही है।

फ्यूल मैनेजमेंट विभाग की लगातार नजर

कोयले की उपलब्धता, खपत और आपूर्ति पर फ्यूल मैनेजमेंट विभाग लगातार निगरानी रख रहा है। केंद्रीय स्तर पर गठित समिति भी प्रतिदिन स्थिति की समीक्षा कर रही है। बारिश के बीच प्राथमिकता यह है कि जिन ताप विद्युत गृहों में स्टॉक कम है, वहां कोयले की आपूर्ति बाधित न हो। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती खदानों से पर्याप्त कोयला निकालने और गीले कोयले को तेजी से रेलवे रैक से उतारकर प्लांट तक पहुंचाने की है। मानसून की स्थिति सामान्य होने तक बिजली कंपनियों के लिए कोयले की आपूर्ति श्रृंखला को सुचारु रखना अहम रहेगा।

गीले कोयले से बढ़ी अनलोडिंग की परेशानी

बारिश का असर केवल कोयले की उपलब्धता तक सीमित नहीं है। खदानों में पानी भरने से कोयला निकालने में भी परेशानी हो रही है। कई बार खदान से निकलने वाले कोयले के साथ मिट्टी की मात्रा भी अधिक आ रही है। इससे कोयले की गुणवत्ता और उसकी ऊष्मीय क्षमता प्रभावित हो सकती है। कैलोरिफिक वैल्यू कम होने की स्थिति में समान मात्रा में बिजली उत्पादन के लिए अपेक्षाकृत अधिक कोयले की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे में कम स्टॉक वाले प्लांटों पर दोहरा दबाव बन रहा है। अमरकंटक ताप विद्युत गृह में करीब 1.02 लाख टन कोयला उपलब्ध है। यहां प्रतिदिन लगभग 2700 टन कोयले की खपत होती है। मौजूदा खपत के हिसाब से यहां करीब 30 दिन का स्टॉक बताया जा रहा है। इसलिए फिलहाल अमरकंटक में कोयले को लेकर स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है।

बिरसिंहपुर में पांच दिन, सारणी में 15 दिन का भंडार

बिरसिंहपुर ताप विद्युत गृह में फिलहाल करीब 71 हजार टन कोयला उपलब्ध है। यहां प्रतिदिन लगभग 18 हजार टन की खपत होती है। इस लिहाज से करीब पांच दिन का स्टॉक मौजूद है। वहीं सारणी ताप विद्युत गृह में करीब 1.07 लाख टन कोयला उपलब्ध है। फिलहाल एक इकाई संचालित होने के कारण यहां रोजाना लगभग 3500 टन कोयले की खपत हो रही है। इस हिसाब से करीब 15 दिन का स्टॉक उपलब्ध है।

दुबई में दिखा मध्यप्रदेश का हुनर

सीएम मोहन यादव ने ओडीओपी स्टॉल का किया शुभारंभ

मध्यप्रदेश के स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक हुनर को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में एक अहम पहल देखने को मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में मध्यप्रदेश के एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी)५ के स्टॉल का शुभारंभ किया और वहां प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया। स्टॉल में प्रदेश के विभिन्न जिलों की विशिष्ट पहचान रखने वाले उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और उनकी बाजार संभावनाओं की जानकारी ली। दुबई में ओडीओपी स्टॉल की मौजूदगी से मध्यप्रदेश के कारीगरों, उद्यमियों और स्थानीय उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलने के साथ नए बाजार और निवेश के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

एमपी के यात्री परिवहन में बड़े बदलाव की तैयारी

भोपाल। यात्री परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार पहली बार मोबिलिटी विजन-2030 तैयार कर रही है। इस विजन में अगले कुछ वर्षों में प्रदेश के शहरों और कस्बों के बीच सार्वजनिक परिवहन को कैसे मजबूत किया जाए। इसके साथ इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देने, डिजिटल टिकटिंग लागू करने और परिवहन व्यवस्था को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने पर भी विचार होगा।

इंदौर में 11 और 12 सितंबर को सम्मेलन- इसमें पीपीपी मॉडल को प्रोत्साहित करने, परिवहन के क्षेत्र में निवेशकों को आकर्षित करने, आज और भविष्य की चुनौतियां और रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इसके लिए इंदौर में 11 और 12 सितंबर को सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी सम्मिलित होंगे।

चौथे स्टेज के स्तन कैंसर में भी इलाज संभव-

भोपाल एम्स में नई दवाओं से बढ़ी उम्मीद बीमारी की पहचान से तय होगा इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्तन कैंसर की चौथी स्टेज सुनते ही मरीज और परिवार अक्सर उम्मीद छोड़ने लगते हैं, लेकिन हेर-टू पॉजिटिव स्तन कैंसर के मामले में इलाज की तस्वीर अब बदल रही है। आधुनिक लक्षित दवाओं ने उन मरीजों के लिए भी उपचार के नए रास्ते खोले हैं, जिनका कैंसर शरीर के दूसरे हिस्सों तक फैल चुका है। एम्स भोपाल की चिकित्सा कैंसर विज्ञान एवं रक्त रोग विभाग की संकाय सदस्य डॉ. आकांक्षा चौधरी ने भोपाल ऑन्कोलॉजी अपडेट्स 2026 में हेर-टू पॉजिटिव मेटास्टेटिक स्तन कैंसर के एक मामले पर विशेषज्ञ चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने नई लक्षित दवाओं और मरीज की बीमारी के अनुसार उपचार चुनने की आधुनिक पद्धति की जानकारी साझा की। डॉ. चौधरी के अनुसार अब कैंसर का उपचार केवल यह देखकर तय नहीं किया जाता कि बीमारी किस अंग में है या किस चरण में पहुंची है। कैंसर कोशिकाओं की विशेषताओं की जांच कर यह पता लगाया जाता है कि मरीज के लिए कौन-सा उपचार अधिक प्रभावी हो सकता है।

नई दवाओं से बढ़े उपचार के विकल्प

विशेषज्ञ चर्चा में ट्रास्टुजुमैब डेरक्सटेकैन, पर्टुजुमैब और टुकाटिनिब जैसी नई लक्षित दवाओं पर चर्चा हुई। इन उपचारों ने चौथी स्टेज के हेर-टू पॉजिटिव स्तन कैंसर में बीमारी को नियंत्रित करने की संभावनाएं बढ़ाई हैं। इनके साथ मरीजों के लंबे समय तक बेहतर जीवन जीने की उम्मीद भी पहले की तुलना में बढ़ी है। डॉ. चौधरी ने बताया कि कुछ वर्ष पहले हेर-टू पॉजिटिव स्तन कैंसर के उपचार के विकल्प काफी सीमित थे।

सरकारी कॉलेजों के छात्रों को आईआईटी दिल्ली का तोहफा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में सरकारी कालेजों के छात्र-छात्राओं को अब डिग्री के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और फिनटेक जैसी आधुनिक तकनीकों को सीखने का मौका मिलेगा। उच्च शिक्षा विभाग ने आइआइटी दिल्ली के सहयोग से यह आनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया है। इसमें खास बात यह है कि विद्यार्थियों को इन पाठ्यक्रमों के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा।

शुरुआत में प्रदेश के 55 प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस और 13 स्वशासी महाविद्यालयों को योजना में शामिल किया गया है। कोर्स ऑनलाइन होने के कारण विद्यार्थी नियमित पढ़ाई के साथ इसे आसानी से कर सकेंगे। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 2000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

एआइ और व्यावहारिक तकनीक पर रहेगा विशेष जोर

सर्टिफिकेट कोर्स में किताबी जानकारी के साथ तकनीक के व्यावहारिक इस्तेमाल पर भी जोर रहेगा। पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल बैंकिंग, आनलाइन पेमेंट सिस्टम, साइबर सुरक्षा और फिनटेक जैसे विषय शामिल होंगे। साथ ही वित्तीय क्षेत्र में एआइ का किस तरह उपयोग हो रहा है, इसकी केस स्टडी और प्रैक्टिकल जानकारी भी दी जाएगी।

मेट्रो एंकर | अकेले नदी साफ करने वाले बिट्टू को नीदरलैंड से जॉब-ऑफर: डच सीईओ

हमारे साथ काम करो; इंग्लिश क्रिकेटर पीटरसन ने भी तारीफ की

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अकेले नदी साफ करने वाले मध्य प्रदेश के 20 साल के सुरेंद्र सिंह चौधरी 'बिट्टू तबाही' को नीदरलैंड की संस्था 'द ओशन क्लीनअप' ने नौकरी का ऑफर दिया है। संस्था के फाउंडर और ष्टश्वह्र बॉयन स्लैट ने बिट्टू की मेहनत से प्रभावित होकर लिखा- हमारे साथ काम करो। द ओशन क्लीनअप' कंपनी समुद्रों और नदियों से प्लास्टिक कचरा हटाने का काम करती है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी बिट्टू की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है, जब कोई व्यक्ति दूसरों का इंतजार करना छोड़कर खुद पहल करता है।

जेसीबी भी लगाई, अपनी जेब से खर्च किए रुपए

बिट्टू ने नदी की सफाई में अपना समय और मेहनत लगाने के साथ पैसे भी खर्च किए। नदी के गहरे हिस्सों से भारी कचरा निकालने के लिए उन्होंने अपनी जेब से रुपए खर्च कर जेसीबी मशीन लगवाई। बिट्टू और कृष्णा कहते हैं कि वो दो ढाई महीने से नदी की सफाई के रील सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपलोड कर रहे हैं। माता-पिता सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते। उन्हें कभी ये पता नहीं लगा कि वे क्या करते हैं? हम तो घर से यही कहकर निकलते हैं कि हम क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। हां, कुछ दिनों से जब से महिंद्रा जी ने हमारे काम की सोशल मीडिया पर तारीफ की, तब से कई लोग हमसे अच्छे से बात करते हैं। कलेक्टर ने भी हमें बुलाकर सम्मान किया। विधायक ने भी हमें बुलाया है। प्रशासन भी अब इन घाटों पर जेसीबी से कचरा हटवाने में जुट गया है।

मध्य प्रदेश राजगढ़ जिले से निकलने वाली अजनार नदी का पानी पीने और सिंचाई के काम आता था, लेकिन बढ़ते प्रदूषण से यह गंदे नाले में बदल गई। बिट्टू ने इसकी सफाई की और तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिसके बाद वह वायरल हो गए। शुक्रवार को ष्टरू मोहन यादव ने भी उनसे मुलाकात की।

26 जनवरी को लिया था सफाई का संकल्प- बिट्टू ने इस साल 26 जनवरी को अजनार नदी को उसका पुराना और स्वच्छ रूप लौटाने का संकल्प लिया। शुरुआत में कुछ दोस्त भी उनके साथ आए, लेकिन मुश्किल और थकाऊ काम के कारण वे धीरे-धीरे पीछे हट गए। इसके बाद बिट्टू ने अकेले ही सफाई जारी रखी। वह रोज सुबह नदी में उतरते और घंटों पानी में रहकर हाथों से कचरा निकालते रहे। करीब तीन महीने की मेहनत के बाद नदी की तस्वीर बदल गई। अब यहां कचरे की जगह साफ पानी नजर आता है।

कठोर कार्रवाई की जरूरत

शिक्षा के मंदिर में अगर किसी विद्यार्थी को अपनी जान देकर यह साबित करना पड़े कि वह रैगिंग का शिकार था, तो इससे बड़ा सवाल उस व्यवस्था पर खड़ा होता है, जो उसे बचा नहीं सकी। सूरत के सरकारी मेडिकल कॉलेज के स्नातकोत्तर छात्र हर्ष पांड्या की आत्महत्या ने एक बार फिर रैगिंग की उस भयावह संस्कृति को सामने ला दिया है, जिसे कानून और नियमों की लंबी फेहरिस्त के बावजूद हम खत्म नहीं कर पाए हैं। जांच के बाद चार वरिष्ठ डॉक्टरों का निलंबन हुआ है, लेकिन यह कार्रवाई उस जीवन की भरपाई नहीं कर सकती, जो एक ऐसी मानसिक हिंसा की भेंट चढ़ गया, जिसे समय रहते रोका जा सकता था। रैगिंग को आज भी कई लोग वरिष्ठ-जूनियर के बीच होने वाली 'मस्ती' या परिचय की एक पुरानी परंपरा मानते हैं। यही सोच सबसे खतरनाक है। किसी व्यक्ति को अपमानित करना, डराना, मानसिक दबाव में रखना या उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाना मनोरंजन नहीं हो सकता। यह हिंसा है। और जब किसी को दूसरे की पीड़ा में आनंद मिलने लगे, तो समस्या केवल अनुशासन की नहीं, बल्कि मानसिकता की हो जाती है। विडंबना देखिए कि जिस उम्र में विद्यार्थी अपने भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर होता है, उसी समय उसे अपने ही संस्थान में असुरक्षित महसूस करना पड़ता है। स्नातकोत्तर छात्र तक रैगिंग की चपेट में आ रहे हैं, तो यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि समस्या केवल नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रही। यह वर्चस्व की ऐसी प्रवृत्ति बन गई है, जिसमें वरिष्ठता को अधिकार और कनिष्ठता को सहने की मजबूरी समझ लिया जाता है। कानून की सख्ती इस समस्या का अनिवार्य हिस्सा है। रैगिंग के दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि किसी की गरिमा और मानसिक सुरक्षा से खिलवाड़ को मामूली अनुशासनहीनता नहीं माना जा सकता। लेकिन केवल दंड से यह बीमारी समाप्त नहीं होगी। इसके पीछे काम कर रही मानसिकता को भी समझना होगा। कई बार हिंसा झेल चुका व्यक्ति उसी हिंसा को आगे बढ़ाता है। यह सिलसिला तभी टूटेगा, जब संस्थान भय के बजाय संवाद और सम्मान की संस्कृति विकसित करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, यूजीसी की गाइडलाइन, एंटी-रैगिंग शपथ और हेल्पलाइन अपनी जगह जरूरी हैं। मगर कागज पर मौजूद व्यवस्था और परिसर में मौजूद वास्तविकता के बीच की दूरी कम करना ज्यादा जरूरी है।

दलित राजनीति की दीवारों पर खून के पुराने गहरे दाग मिटाना कठिन

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश उत्तराखंड चुनाव से पहले राहुल गांधी कांग्रेस ने दलित राजनीति के दांवपेंच शुरू कर दिए। हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद हुए कथित 'शुद्धिकरण' (हवन) विवाद पर मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने का अजीबोगरीब अभियान चला दिया। खरगे की रैली में क्या कोई हमला हुआ ? अगले दिनों उसी मैदान में कार्यक्रम से पहले हुई सफाई पूजा इत्यादि में खरगे के विरुद्ध गालियों या तंत्र मन्त्र की कोई रिकॉर्डिंग या अन्य सबूत राहुल के पास हैं ? अब तक तो सामने नहीं आए। फिर भी खरगे और उनके नेता राहुल गांधी लगातार दलित अपमान पर संसद से सड़क तक हाहाकार कर रहे हैं। राहुल ने तो प्रेस कांफ्रेंस और सोशल मीडिया में इस मुद्दे को तूल देते हुए आरोप लगाया कि आज भी हर जगह दलितों का अपमान हो रहा। खरगे की रैली के बाद कथित मंच शुद्धिकरण के प्रयास का मुद्दा उठाकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से इस अपमान पर पुलिस में प्राथमिकी (एफ आई आर) दर्ज किए जाने की मांग की । भारत में यह पहला अवसर है , जब प्रतिपक्ष का शीर्ष नेता एक दिन एफ आई आर दर्ज कराने या दूसरे दिन दो सौ एफ आई आर रद्द करने के लिए पी एम निवास तक धरना देने लगे। जैसे एफ आई आर पी मंत्रियों के दफ्तरों में दर्ज होती हो। बाईस वर्षों की सांसदी और अदालतों में हाजिरी लगाने के बावजूद उन्हें नहीं पता कि प्राथमिकी शिकायत मात्र है , न सबूत है और न ही सजा ? फैसला वर्षों बाद अदालत में होगा। मतलब जनता में भ्रम से भड़काने की राजनीति से के अलावा कुछ नहीं।

दूसरी तरफ भाजपा का कहना है कि इस घटना का किसी जाति से कोई लेना-देना नहीं है। उनका दावा है कि रैली के बाद वहां गंदगी छोड़ी गई थी और कुछ लोगों ने केवल उस जगह की सफाई के उद्देश्य से धार्मिक प्रक्रिया की थी। वह संगठन भी पार्टी का नहीं है। इसके साथ ही, भाजपा ने कांग्रेस पर इस मुद्दे को लेकर विभाजनकारी राजनीति करने और दलित समाज को राजनीतिक टूल की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।यह मामला कानूनी रूप ले चुका है । अब तो हवन में शामिल दलित युवक ने ही पर राहुल गांधी द्वारा नफ़रत फ़ैलाने के खिलाफ शिकायतें दर्ज करा दी हैं। स्वाभाविक है इस तरह के मामले क़ानूनी गलियारों में वर्षों तक घूमते रह सकते हैं। इसीलिए पिछले दिनों वाराणसी से एक वरिष्ठ पत्रकार ने मझे फोन करके कहा कि ' विपक्ष के लिए चुनाव में सदा गुंजाइश है , लेकिन राहुल और उनके सलाहकार इतना भी नहीं समझते कि दीवारों पर वर्षों पहले लगे दाग आसानी से नहीं हटते। और इस देश के गरीब दलित , पिछड़े , अल्पसंख्यक कम शिक्षित होने पर भी कांग्रेस राज में हुए अत्याचार आसानी से नहीं भूल पाते। दलितों पर हुए अत्याचार के रिकॉर्ड की रिपोर्ट्स और सम्पादकीय टिप्पणियां उपलब्ध हैं। '

सचमुच इस मुद्दे पर मुझे पिछले दशकों में अपनी रिपोर्ट्स और टिप्पणियों की फ़ाइल का ध्यान आ गया। खरगे इस समय कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और दलित नेता के मान अपमान के मुद्दे पर कांग्रेस के ही शीर्ष दलित नेता माने जाने वाले बाबु जगजीवन राम को याद किया जाना चाहिए। वह भी सत्तर के दशक में पार्टी के अध्यक्ष थे और वरिष्ठ मंत्री रहे। पत्रकार के नाते 1972 से लगातार उनसे मिलने , बात करने के अवसर मिले। आपात काल की ज्यादतियों और दलितों की हालत से दुखी रहने के कारण 1977 में चुनाव की घोषणा के साथ उन्होंने विद्रोह कर दूसरे बड़े नेता हेमवतीनन्दन बहुगुणा के साथ नई पार्टी बनाई। वहीं जनता पार्टी में भी पुरानी संगठन कांग्रेस के अधिकांश कांग्रेसी नेता थे। लेकिन उन कोंग्रेसियों ने भी जगजीवन राम को प्रधान मंत्री नहीं बनने दिया। उप प्रधान मंत्री पद दिलवाने के लिए कई दिनों तक उनके निवास के बाहर और अन्य ठिकानों पर समर्थकों के प्रदर्शनों की रिपोर्ट मेरी फाइल में आज भी रखी है। तब तो उन्हें इंदिरा कांग्रेस ने विद्रोही करार दिया था। लेकिन 1979 में जनता पार्टी के टूटने पर भी उप प्रधान मंत्री पद पर रहे सबसे अनुभवी नेता जगजीवन राम के बजाय इंदिरा कांग्रेस ने श्रीमती गांधी को जेल भिजवाने वाले चौधरी चरण सिंह को समर्थन देकर प्रधान मंत्री बनवाया । चरण सिंह पर इंदिरा गांधी और उनके पुत्र संजय गांधी के विरुद्ध चल रहे मामलों को लेकर दबाव था।

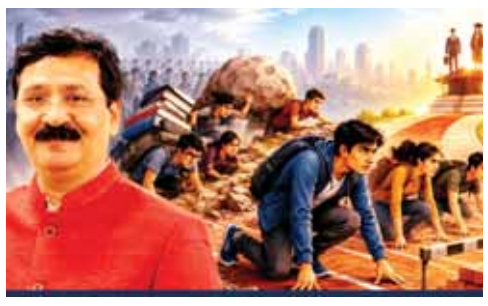

चरण सिंह ने इन मामलों को वापस लेने से इनकार किया। परिणामतः इंदिरा कांग्रेस ने विश्वासमत से ठीक पहले समर्थन वापस ले लिया और चरण सिंह को इस्तीफा देना पड़ा। जगजीवन राम ने दावा किया कि वे बहुमत जुटा सकते हैं। वे विपक्ष/जनता गठबंधन के नेता थे और उनके पास काफी सांसदों का समर्थन था। तब जगजीवन राम को मौका क्यों नहीं मिला? इसलिए दलित नेताओं का उपयोग और अपमान का रिकॉर्ड क्या भुलाया जा सकता है ? आज भी क्या कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के बजाय खरगे को अगले प्रधान मंत्री की तरह पेश कर रही है ?

जहाँ तक दलितों पर अत्याचार की बात है दलितों के सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों का प्रश्न केवल संविधान और कानूनों का प्रश्न नहीं रहा है। प्रश्न है–जब इन घटनाओं के समय कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व ने क्या किया? कांग्रेस सरकार के अधीन पुलिस प्रशासन ने दलित नागरिकों की रक्षा क्यों नहीं की और दोषियों को दंड दिलाने में कितनी सफलता मिली? शायद 1978 के बाद बिहार में दलितों पर हुई हिंसा से जुड़े चर्चित बेलछी काण्ड के समय श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा सहानुभूति जताने और दोषियों को दण्डित कराने की मांग से उनकी राजनीतिक वापसी होने की बात राहुल को समझाई गई होगी। लेकिन सत्ता की वापसी केवल एक घटना से नहीं हुई थी। बड़ा कारण जनता पार्टी का बिखरना और एक हद तक कांग्रेस की पुरानी संगठन क्षमता थी। आज संगठन कहाँ है ? अत्याचार में उत्तर प्रदेश और बिहार में कांग्रेस राज में दलितों पर सर्वाधिक हिंसक हमले हुए और अपराधियों को कांग्रेस नेताओं के संरक्षण के आरोप रहे। पराकाष्ठा यहाँ तक रही है कि दलितों के हत्या काण्ड के पीछे कांग्रेस नेता के हाथ का आरोप रहते उस पूर्व सांसद को पार्टी ने राष्ट्रपति पर दबाव डालकर राज्य सभा में नामजद श्रेणी में फिर से सांसद तक बनवा दिया। राष्ट्रपति ने एक बार प्रस्ताव पर सहमति न देकर फ़ाइल लौटा दी थी। तब दुबारा भेजी गई और उन्हें दस्तखत करना पड़े। तत्कालीन राष्ट्रपति ने स्वयं यह बात दुखी स्वर में बताई थी। असल में दलितों के सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों का प्रश्न केवल संविधान और कानूनों का प्रश्न नहीं रहा है। । शायद राहुल गांधी को 1978 में बिहार में दलित हिंसा के बेलछी काण्ड से इंदिरा गांधी की वापसी के रास्ते की बात समझाई जाती होगी। लेकिन उनकी वापसी एक घटना में सहानुभूति जताने से नहीं बल्कि जनता पार्टी बिखरने और कांग्रेस की पुरानी संगठन क्षमता से हुई। आज क्या उत्तर प्रदेश , बिहार जैसे राज्यों में कांग्रेस की संगठन क्षमता है ? यही नहीं दलित बस्तियों में आज भी कांग्रेस राज में हुई हिंसा की बातें दुःख से सुनाई बताई जाती है।1980 में कांग्रेस बिहार में सत्ता में लौटी। मुख्यमंत्री बने जगन्नाथ मिश्र। इसी दौर की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में पिपरा नरसंहार है।25 फरवरी 1980 को जहानाबाद क्षेत्र के पिपरा गांव में दलित बस्ती पर हमला हुआ। अनेक घर जला दिये गये और महिलाओं तथा बच्चों सहित दलितों की हत्या की गयी। रिपोर्ट में पांच महिलाओं, तीन वयस्क पुरुषों और छह बच्चों सहित 14 मृतकों का उल्लेख है।1985-86 का दौर कांग्रेस शासन में मध्य बिहार के सबसे गंभीर जातीय संघर्षों में से था 1987 में नोनाही-नगवां में दलितों की हत्या हुई। जून 1987 की घटना में 18 दलितों के मारे जाने का उल्लेख मिलता है।

2004 में केंद्र में UPA सरकार बनी। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी। इस दशक में भी कई कांग्रेस-शासित राज्यों में दलित अत्याचार के बड़े मामले सामने आये।। 29 सितंबर 2006 को महाराष्ट्र के भंडारा जिले के खैरलांजी गांव में भोतमांगे परिवार के चार सदस्यों की हत्या । सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड में परिवार के सदस्यों और उनकी अनुसूचित जाति पहचान का स्पष्ट उल्लेख हरियाणा में कांग्रेस के सत्ता काल में 2005 का गोहाना कांड सामने आया। दलित/वाल्मीकि बस्ती के अनेक घरों को आग लगा दी गयी। 21 अप्रैल 2010 को हिसार जिले के मिर्चपुर गांव में हिंसक भीड़ ने वाल्मीकि दलित बस्ती के घरों में आग लगा दी।दिल्ली की अदालत में दर्ज न्यायिक रिकॉर्ड के अनुसार 18 दलित घर जलाये गये और एक 60 वर्षीय व्यक्ति तथा उसकी दिव्यांग बेटी आग में जलकर मारे गये। प्रश्न यह है कि कांग्रेस सरकार के अधीन पुलिस प्रशासन ने दलित नागरिकों की रक्षा क्यों नहीं की और दोषियों को दंड दिलाने में कितनी सफलता मिली?2004 से 2014 तक अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की सरकार रही। 2004-14 के दौरान दलितों पर अत्याचार के अपराध के 42,060 मामले दर्ज हुए जिनमें 539 हत्या और 1,084 बलात्कार के अपराध के रिकॉर्ड सरकारी अपराध ब्यूरो में दर्ज हैं। इस हिसाब किताब को देखते हुए राहुल गांधी की दलित राजनीति से उनकी पार्टी के लिए होने वाले खतरों को देखा जा सकता है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर विशेष

सही पोषण ही स्वस्थ जीवन की पहचान और स्वस्थ भारत की मजबूत नींव

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में, यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है। शरीर को ऊर्जा देने, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बच्चों के विकास तथा कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए पर्याप्त और संतुलित पोषण आवश्यक है। विशेष रूप से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उचित पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है कुपोषण: बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर चिंता का विषय है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(एनएफएचएस-5) के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे ठिगनेपन से, 19.3 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन/वेस्टिंग से और 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन (अंडरवेट) की समस्या से प्रभावित हैं। इनमें 7.7 प्रतिशत बच्चे गंभीर वेस्टिंग से प्रभावित हैं। यूनिसेफ के 2025 के भारत संबंधी पोषण विवरण में भी लगभग 36 प्रतिशत बच्चों में बौनापन और 19 प्रतिशत में वेस्टिंग यानी कि लंबाई के अनुपात में वजन कम का उल्लेख किया गया है। यूनिसेफ के ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कुपोषण केवल बच्चों के शारीरिक विकास को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता, सीखने की क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है।

बच्चों के समुचित विकास में चुनौती है कुपोषण: वास्तव में हमारे देश में पोषण और संतुलित आहार की कमी आज भी बच्चों के समुचित विकास में बड़ी चुनौती है। यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर बच्चों को पोषण और संतुलित आहार की कमी के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? तो इस प्रश्न का सीधा सा उत्तर यह है कि गरीबी, भोजन में विविधता की कमी, पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव और असंतुलित खान-पान के कारण अनेक बच्चे आवश्यक प्रोटीन, विटामिन, खनिज और कैलोरी पर्याप्त मात्रा में नहीं ले पाते और इसका असर बच्चों की शारीरिक वृद्धि, मानसिक विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। कुपोषण के कारण बच्चों में वेस्टिंग (कम वजन), स्टंटिंग (कम लंबाई) और कम वजन जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इसलिए बच्चों के लिए पौष्टिक, विविधतापूर्ण और संतुलित आहार सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

तो आइए, इस राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम स्वयं भी पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाएंगे और अपने परिवार तथा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। क्योंकि सही पोषण ही स्वस्थ जीवन की पहचान है और जब हमारे देश के सभी नागरिक स्वस्थ होंगे तो हमारा देश भी निरंतर तरक्की और प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेगा।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

सर्वाइकल कैंसर में खास है कोल्पोस्कॉपी, जान बचाने में कर सकती है मदद

सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली गंभीर बीमारियों में से एक है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि समय रहते शरीर में कैंसर के बदलावों का पता लगाकर इसे आगे बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए सर्वाइकल की जांच, एचपीवी टेस्ट और पैप स्मीयर जैसी जांचों का इस्तेमाल किया जाता है। अगर इन जांचों में कोई असामान्य बदलाव सामने आता है, तो डॉक्टर आगे की जांच के लिए कोल्पोस्कॉपी की सलाह दे सकते हैं। यह एक ऐसी जांच है, जिसमें गर्भाशय के मुंह यानी सर्विक्स को खास यंत्र की मदद से करीब से देखा जाता है। जरूरत पड़ने पर इसी दौरान संदिग्ध हिस्से से छोटा टिशू सैंपल के रूप लेकर बायोप्सी भी की जा सकती है।

महिलाओं के लिए कोल्पोस्कॉपी एक महत्वपूर्ण टेस्ट है। इसमें डॉक्टर सर्विक्स यानी गर्भाशय के मुंह की जांच करते हैं। अगर कोई संदिग्ध हिस्सा दिखाई देता है, तो वहां से छोटा टिशू सैंपल के रूप में लेकर आगे की जांच के लिए लैब भेजते हैं। इसलिए कोल्पोस्कॉपी को सीधे कैंसर की जांच मानना सही नहीं है। यह मुख्य रूप से यह पता लगाने में मदद करती है कि सर्विक्स में दिख रहे सेल्यूलर बदलाव सामान्य हैं, कैंसर की शुरूआत हैं या आगे जांच की जरूरत है।

मैयोक्लीनिक के मुताबिक हर महिला को कोल्पोस्कॉपी की जरूरत नहीं होती। आमतौर पर इस जांच की सलाह तब दी जाती है जब सर्वाइकल स्क्रिनिंग में असामान्य रिजल्ट आया हो या सर्विक्स में ऐसा बदलाव दिखाई दे जिसके बारे में डॉक्टर को अधिक जानकारी चाहिए। उदाहरण के तौर पर, सर्वाइकल स्क्रिनिंग में एचपीवी इंफेक्शनया सर्वाइकल सेल्स में असामान्यता मिलने पर कोल्पोस्कॉपी की सलाह दी जा सकती है। अगर टेस्ट का रिजल्ट बार-बार स्पष्ट नहीं हो पा रहा हो, तब भी विशेष जांच की जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा पार्टनर के साथ शारीरिक संबंध बनाने के बाद असामान्य वजाइनल ब्लीडिंग जैसे कुछ लक्षण होने पर डॉक्टर सर्विक्स की विस्तृत जांच के लिए कोल्पोस्कॉपी कराने की सलाह दे सकते हैं।

कोल्पोस्कॉपी के दौरान दर्द होता है?: यह सवाल बहुत-सी महिलाओं के मन में होता है। एनसीबीआई के अनुसार आमतौर पर कोल्पोस्कॉपी को बेहद दर्दनाक प्रक्रिया नहीं माना जाता, लेकिन कुछ महिलाओं को असहज या हल्का दर्द महसूस हो सकता है। यंत्र से सर्विक्स की जांच के दौरान प्रेशर या असहजता हो सकती है। सर्विक्स पर लगाए जाने वाले सोल्यूशन से हल्की जलन या झनझनाहट महसूस हो सकती है। अगर बायोप्सी की जरूरत पड़ती है, तो टिशू का छोटा सैंपल लेते समय कुछ महिलाओं को हल्का दर्द, क्रैम्प या खरोंच जैसा एहसास हो सकता है। हर महिला का अनुभव अलग हो सकता है। इसलिए प्रक्रिया के दौरान ज्यादा असहजता होने पर जांच करने वाले डॉक्टर को तुरंत बताना चाहिए।

सुविचार

हर नया दिन एक नया मौका है, खुद को बेहतर बनाने का।–अज्ञात

निशाना

कहानीकार ने किरदार बांटे

रामकिशोर नाविक

कहानीकार ने किरदार बाँटे अदाकारों में रिश्तेदार बाँटे
ख़बर में वो नहीं होता है जिसने
शहर भर के लिये अख़बार बाँटे
नदी को बे रहम होकर जो लूटा
कहाँ से अब तुम्हें जलधार बाँटे
नचाते हैं हथेली पर हुकूमत
जिन्होंने दलों को कलदार बाँटे
चुकीं संवेदनाएँ डाकिया अब
किसे जाकर के चिट्ठी तार बाँटे

टेक्नो अपडेट

घर के काम आसान कर रही स्मार्ट टेक्नोलॉजी, घट रहा समय और बिजली खर्च

घर में इस्तेमाल होने वाली तकनीक अब केवल सुविधा बढ़ाने तक सीमित नहीं है। नई पीढ़ी के घरेलू उपकरण अब उपयोगकर्ता की आदतों को समझकर अपने काम करने का तरीका बदल रहे हैं। फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, एयर प्यूरीफायर और वैक्यूम क्लीनर जैसे उपकरणों में एआई, सेंसर, इन्वर्टर और स्मार्ट कनेक्टिविटी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। 2026 में होम-अप्लायंस तकनीक का सबसे बड़ा फोकस ऐसी मशीनों पर है, जो कम ऊर्जा और कम मानवीय मेहनत में बेहतर परिणाम दें।

बोलकर चलेंगे घर के उपकरण: स्मार्ट होम तकनीक में सबसे उपयोगी बदलाव आवाज से उपकरणों को नियंत्रित करने का है। हाल ही में घरेलू उपकरणों के लिए बहुभाषी एआई वॉयस कंट्रोल सामने आया है, जिसमें हिंदी समेत कई भारतीय भाषाओं में निर्देश देकर उपकरण चलाए जा सकते हैं। यानी अब मोबाइल ऐप में विकल्प खोजने के बजाय कहा जा सकता है–पंखा धीमा कर दो, एसी का तापमान बदल दो या वॉशिंग मशीन शुरू कर दो। सिस्टम सामान्य बातचीत और मिश्रित भाषा को भी समझने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

वॉशिंग मशीन खुद तय कर रही है मोड: नई वॉशिंग मशीनों में सेंसर कपड़ों का वजन, कपड़े का प्रकार और गंदगी के स्तर जैसी जानकारियां पहचानकर पानी, समय और वॉशिंग पैटर्न को समायोजित कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि हर बार उपयोगकर्ता को अलग-अलग सेटिंग करने की जरूरत कम हो जाती है। कुछ आधुनिक मशीनों में ऐप के जरिये संचालन और निगरानी की सुविधा भी मिलती है। इससे कपड़ों की देखभाल के साथ पानी और बिजली बचाने में मदद मिल सकती है।

फ्रिज में भी बढ़ी समझदारी: फ्रिज की तकनीक भी काफी बदल चुकी है। इन्वर्टर कंप्रेसर लगातार जरूरत के अनुसार अपनी गति बदलता है, जिससे तापमान को स्थिर रखने और अनावश्यक बिजली खपत कम करने में मदद मिलती है। नए मॉडल अलग-अलग परिस्थितियों में कूलिंग को समायोजित करने पर जोर दे रहे हैं। कुछ स्मार्ट फ्रिज उपयोग के पैटर्न और अंदर के तापमान के आधार पर कूलिंग को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।

एसी अब सिर्फ ठंडा नहीं करता: एयर कंडीशनर में भी तकनीक का जोर ऊर्जा दक्षता और स्वचालित नियंत्रण पर है। इन्वर्टर तकनीक कंप्रेसर की गति को आवश्यकता के अनुसार बदलती है। वहीं नए एआई आधारित मॉडल कमरे की परिस्थितियों और उपयोग के पैटर्न के आधार पर सेटिंग को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। कुछ उपकरणों में मोबाइल ऐप से तापमान और ऊर्जा उपयोग पर नजर रखने की सुविधा भी मिलती है।

अजब - गजब

दुनिया का अजीबोगरीब 'कब्रिस्तान', एक साथ दफन है 4000 हवाई जहाज

जब भी हम हवाई जहाज को आसमान में उड़ते देखते हैं, तो मन में यही ख्याल आता है कि ये मशीन कितनी शानदार है। हजारों फीट की ऊंचाई पर उड़ते हुए विमान एक शहर से दूसरे शहर तक लोगों को कुछ ही घंटों में पहुंचा देते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब कोई विमान पुराना हो जाता है या उड़ान भरने के लायक नहीं रहता, तो उसका क्या होता है? कई पुराने विमानों को एक ऐसी खास जगह ले जाया जाता है, जहां सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों विमान एक साथ खड़े नजर आते हैं। दूर से देखने पर ऐसा लगता है जैसे विमानों का कोई विशाल कब्रिस्तान हो। ऐसी जगहों को 'एयरक्राफ्ट ग्रेवयार्ड कहा जाता है। दुनिया में ऐसे कई स्थान हैं, लेकिन अमेरिका का एक एयरक्राफ्ट ग्रेवयार्ड अपनी विशालता के कारण सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है।

अमेरिका के एरिजोना में स्थित डेविस-मोंथन एयर फोर्स बेस के पास दुनिया के सबसे बड़े विमान भंडारों में से एक मौजूद है। इसे आमतौर पर 'द बोनयार्ड' के नाम से जाना जाता हैं। यहां करीब 4000 पुराने और खराब विमान खड़े हैं। इनमें से जिन विमानों की मरम्मत करके दोबारा इस्तेमाल किए जाने की संभावना होती है, उन्हें ठीक किया जाता है। वहीं, जो विमान पूरी तरह सेवा से बाहर हो चुके हैं, उनके उपयोगी पुर्जे निकाल लिए जाते हैं। इन पुर्जों को दूसरे विमानों की मरम्मत या निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है। विमान की उम्र को सिर्फ सालों में तय नहीं किया जाता। उसकी स्थिति, उड़ान के घंटे, इस्तेमाल का तरीका और रखरखाव भी बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि हर विमान एक तय संख्या के साल बाद अपने आप 'एक्सपायर' हो जाता है। हालांकि, लंबे समय तक इस्तेमाल के बाद विमान की संरचना और दूसरे महत्वपूर्ण हिस्सों की जांच बेहद जरूरी हो जाती है। जब किसी विमान को चलाना आर्थिक या तकनीकी रूप से सही नहीं रहता, या वह सुरक्षा मानकों के मुताबिक सेवा में रखने लायक नहीं रहता, तब उसे रिटायर कर दिया जाता है। इसके बाद विमान को स्टोरेज फैसिलिटी या एयरक्राफ्ट ग्रेवयार्ड में भेजा जा सकता है।

आज यह जगह आम लोगों के लिए किसी सामान्य पर्यटन स्थल जैसी नहीं है। सुरक्षा कारणों से यहां प्रवेश प्रतिबंधित है और कोई भी व्यक्ति अपनी मर्जी से जाकर विमानों के बीच घूम नहीं सकता।

जर्जर स्कूल में पढ़ने को मजबूर बच्चे, 8वीं तक का स्कूल महज दो कमरों में संचालित

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत नरोदा के शासकीय स्कूल की बदहाल स्थिति को लेकर अब 'स्कूल बचाओ अभियान' के तहत आवाज उठाई जा रही है। नरोदा गांव में आठवीं कक्षा तक संचालित स्कूल वर्तमान में महज दो कमरों में चल रहा है। वहीं स्कूल भवन की जर्जर हालत बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि स्कूल भवन की स्थिति इतनी खराब है कि कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है। ऐसे में मासूम बच्चों को जोखिम के बीच पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन और शिक्षा विभाग से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर स्कूल भवन की स्थिति

सुधारने की मांग की है। इस मामले की जानकारी कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेत्री विद्या यादव द्वारा उपलब्ध कराए जाने पर 'स्कूल बचाओ अभियान' के माध्यम से इसे प्रमुखता से उठाया गया है। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि स्कूल बचाओ अभियान के माध्यम से पूरे जिले के स्कूलों की व्यवस्थाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों को सामने लाकर उनमें सुधार का प्रयास किया जा रहा है। नरोदा स्कूल की स्थिति को लेकर कलेक्टर को लिखित पत्राचार कर समस्या से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल की व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं किया गया तो युवा कांग्रेस द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा। उनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा से जुड़ा यह विषय किसी एक व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

न्यूज विंडो

सांकला की माता मंदिर में अखंड सीताराम जाप का विधि-विधान से समापन

तारादेही/तेंदूखेड़ा। समीपस्थ तारादेही क्षेत्र के ग्राम सांकला मॉल स्थित मां सांकला के माता मंदिर में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से सावन मास के दौरान आयोजित अखंड 'सीताराम' नाम जाप का धार्मिक वातावरण में विधि-विधानपूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। सावन मास के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। अखंड सीताराम जाप के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां सांकला की माता के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र और ग्राम की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के समापन के उपरांत समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के गांवों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, एकता और धार्मिक संस्कारों को बढ़ावा मिलता है।

श्री गायत्री शक्तिपीठ में एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन

तेंदूखेड़ा। श्री गायत्री शक्तिपीठ तेंदूखेड़ा में शांतिकुंज हरिद्वार से पधारी टोली के मार्गदर्शन में एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के परिजनों एवं श्रद्धालुओं ने विधि-विधानपूर्वक हवन-यज्ञ में आहुति देकर धर्मलाभ अर्जित किया। शांतिकुंज हरिद्वार से पधारी टोली में अवधेश प्रताप सिंह एवं अविनाश बेलकर ने यज्ञ संपन्न कराया। कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ के तहसील समन्वयक एवं शिक्षक जेपी खरे, शोभाराम नामदेव, मदन भैया, नगर परिषद उपाध्यक्ष एवं सह समन्वयक लक्ष्मी नामदेव, शिक्षक एवं सह समन्वयक संतोष नेमा, शिक्षक रामकुमार राय, संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रभारी सुखबीर सिंह यादव, वरिष्ठ परिजन काशी प्रकाश गुप्ता, अनिल खरे, शिक्षक वरुण खरे, लोक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा से बालकृष्ण नेमा सहित गायत्री शक्तिपीठ की महिला मंडल की सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस दौरान शांतिकुंज हरिद्वार से आए अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि ईश्वर की कृपा और लक्ष्मी का द्वार तभी खुलता है, जब मनुष्य के हृदय में परहित और समाजसेवा की भावना जागृत होती है।

राजपूत समाज ने भुजरिया मिलन समारोह किया आयोजित

गंजबासौदा। श्री महाराणा प्रताप राजपूत समिति द्वारा वार्ड क्रमांक 8 स्थित जग्गा मंदिर के समीप राजपूत धर्मशाला में भुजरिया मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्र के बड़ी संख्या में राजपूत समाज के सरदार एवं समाजजन एकत्रित हुए। इस दौरान समाजजनों ने एक-दूसरे से आत्मीयता के साथ गले मिलकर भुजरिया भेंट की और आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सद्भाव की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सामाजिक एकता और समाज को संगठित रखने पर भी जोर दिया गया। समारोह में समिति अध्यक्ष प्रवीण प्रताप सिंह जादौन, महासचिव प्रमोद सिंह राजपूत, पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, जगदीप सिंह, अमान सिंह, वसंत सिंह, वरिष्ठ संरक्षक सीबी सिंह, गौतम गणपत सिंह, देवेंद्र सिंह बुक डिपो, विशाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह, विनोद राठौर, धीरेन्द्र शुक्रवार, ब्रजेश सिंह पवार, जितेंद्र आटा सेमर, गोलू राजपूत, वीर बहादुर सिंह, किशोर सिंह सिसोदिया, किशोर भदौरिया, शैलेन्द्र राठौड़, कोमल सिंह सहित बड़ी संख्या में राजपूत समाजजन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने बीएमसी और पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा की

अवैध शराब मामले में लापरवाहों पर होगी सख्त कार्रवाई : राजेंद्र शुक्ल

सागर। दोपहर मेट्रो

बंडा क्षेत्र में अवैध व जहरीली शराब सेवन से प्रभावित मरीजों के मामले को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुन्देलखंड मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं एवं पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले में अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णतः रोक लगाई जाए। सभी शराब दुकानों की जांच, उनके स्टॉक की निगरानी और अवैध कारोबार की गहन जांच की जाए। लापरवाही बरतने वाले एवं जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं और लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को जिला पुलिस प्रशासन में कसावट और नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी रूप से चलाने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने बताया कि प्रकरण मे थाना बण्डा मे पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता तथा मध्यप्रदेश आबकारी

अधिनियम 1915 के विभिन्न प्रावधानों के तहत 20 आरोपियों के विरूद्ध नामजद अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई है जिन पर अवैध लाभ के उद्देश्य से संदिग्ध नकली एवं अवैध शराब के निर्माण, सप्लाई एवं बिक्री से जुड़े होने के संबंध में आरोप हैं। इसके अतिरिक्त थाना विनायका मे भी 10 आरोपियों के विरूद्ध नामजद प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर कार्यवाही की जा रही है। विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश देते हुए 20 नामजद आरोपियों में से अब तक 10 आरोपियों को अभिरक्षा मे लिया गया है जिनसे गहन पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के स्रोत की जांच एवं संलिप्त अपराधियों की लगातार धर-पकड़ जारी है।

कलेक्टरने दी इलाजरत मरीजों की जानकारी

बैठक के दौरान कलेक्टर प्रतिभा पाल ने इलाजरत मरीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अवैध शराब से प्रभावित कुल 109 मरीजों का उपचार किया जा रहा है, जिनमें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में 85 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से 12 को आईसीयू में रखा गया है। इसके अलावा जिला चिकित्सालय में 17 एवं बंडा सिविल हॉस्पिटल में 7 मरीज उपचाररत हैं।जबकि 1 गंभीर मरीज को एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा गया है। उन्होंने बताया गया कि जहरीली शराब का स्रोत जांच का विषय है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि यह शराब बाहर से बनकर सप्लाई हुई है, जिसमें मेथेनॉल की मिलावट पाई गई है।

गुजरात से नागपुर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने मारी टक्कर, आधा दर्जन को आई चोट

धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर तहसील के अमझेरा क्षेत्र में आतेड़ी फाटा और खाखेड़ी फाटे के बीच सोमवार देर रात मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को तेज गति से आ रहे ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली में सवार कई मजदूर उछलकर सड़क पर जा गिरे। दुर्घटना में पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि छह अन्य को मामूली चोटें आई हैं। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद धार जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार हादसा रात करीब 12:30 बजे हुआ। गुजरात निवासी मजदूर रोजगार की तलाश में ट्रैक्टर-ट्रॉली से महाराष्ट्र के नागपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आतेड़ी फाटा और खाखेड़ी फाटा के बीच पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रॉली में बैठे कई मजदूर उछलकर नीचे गिर गए।

हादसे की सूचना मिलते ही स्त्रऋ्क्ष-13 अमझेरा में तैनात सैनिक रतन भाभर और पायलट नरेंद्र सिंह पटेल मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को एफआरवी वाहन से अमझेरा अस्पताल पहुंचाया। यहां सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल पांच मजदूरों को धार जिला अस्पताल रेफर किया गया, जबकि मामूली चोट वाले मजदूरों का अमझेरा अस्पताल में उपचार जारी है। घायलों में रमेश पिता अंबाजी भूरिया (40), रवि पिता रमेश (28), आकाश पिता रमेश (26), रुद्राक्ष पिता रवि (2), पूर्वी पिता रवि (3), सुशीला पति रवि, संपदा पति निलेश (32), मेघा पिता गणेश (25), सैजल पति राहुल (25) और मडी पति रमेश (38) सहित अन्य मजदूर शामिल हैं। हादसे के बाद अमझेरा थाना पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। पुलिस द्वारा चालक की तलाश की जा रही है। मामले में अपराध दर्ज कर दुर्घटना के कारणों और चालक की भूमिका की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी राजू मकवाना ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही एफआरवी सहित पुलिस मोबाइल मौके पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तत्काल समीप के अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से पांच मजदूरों को धार के शासकीय अस्पताल भेजा गया है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है और मामले में विवेचना जारी है।

खकरिया रोड पर पेड़ से लटका मिला युवती का पुतला, क्षेत्र में फैली दहशत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

रविवार को नगर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित खकरिया रोड पर उस समय हड़कंप मच गया, जब राहगीरों को सड़क किनारे दूर से एक भिरा के पेड़ से युवती के शव लटका नजर आया। राहगीरों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। जांच में सामने आया कि पेड़ पर युवती का शव नहीं बल्कि एक पुतला लटकाया गया था। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार सुबह करीब 7 बजे तक पेड़ पर कोई पुतला नहीं था। लोगों ने आशंका जताई कि सुबह 7 से 10 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति अथवा व्यक्तियों द्वारा पुतला पेड़ पर लटकाया गया होगा। घटना की सूचना पर डायल 112 के साथ पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। स्थानीय नागरिकों के अनुसार खकरिया रोड का यह क्षेत्र पूर्व में हुई

कई दुखद घटनाओं के कारण पहले से ही संवेदनशील माना जाता है। लोगों का कहना है कि पिछले करीब 15 वर्षों में मुख्य मार्ग के आसपास स्थित पेड़ों से लगभग पांच लोगों द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा इस मार्ग पर कई सड़क दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। इन घटनाओं के चलते लोगों में इस स्थान को लेकर पहले से ही भय और आशंका बनी हुई है। स्थानीय नागरिक नरेंद्र साहू, नर्मदा सेन, विपिन यादव सहित अन्य लोगों ने कहा कि युवती के शव जैसा पुतला पेड़ पर लटकाकर लोगों में दहशत फैलाने का प्रयास किया गया है।

मेट्रो एंकर — बालरंग में नरसिंहपुर के नौनिहालों ने दिखाया हुनर, विद्यार्थियों ने बिखेरी प्रतिभा की चमक

मंच पर गूंजे सुर, थिरके कदम... चित्रों में सजी कल्पनाएं

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

कला जब मंच पाती है तो प्रतिभा पहचान बन जाती है। कुछ ऐसा ही नजारा गुरुवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के असेंबली हॉल में देखने को मिला, जहां बालरंग प्रतियोगिता-2026 की जिला स्तरीय स्पर्धा में जिले के नौनिहालों ने संगीत, नृत्य, साहित्य, वादन, संस्कृत, उर्दू, चित्रकला और योग सहित विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं संस्था प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित

प्रतियोगिता में नरसिंहपुर, करेली, गोटेगांव और साईखेड़ा विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुतियां दीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में आत्मविश्वास, सृजनात्मकता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का बेहतर माध्यम हैं। मुख्य अतिथि जिला मानिटरिंग समिति सदस्य एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री अमितेंद्र नारोलिया, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुषमा तिवारी, पार्षद शास्त्री वार्ड, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री बृजेश शर्मा एवं सेवानिवृत्त उच्च श्रेणी शिक्षक श्री एल.एल. श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक एवं मार्गदर्शक की भूमिका श्रीमती विभा दुबे, श्री बी.एन. पांडे एवं श्री के.के. चौबे ने निभाई। साहित्य विधा में निबंध में सिद्धि श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वरचित काव्य पाठ के कनिष्ठ वर्ग में नमन खाम्ले तथा वरिष्ठ वर्ग में भावना मेहरा विजेता रहीं। प्रश्न मंच के कनिष्ठ वर्ग में अभिजीत साहू एवं पवन कुमार चौधरी तथा वरिष्ठ वर्ग में अंजलि साहू एवं मोनिका प्रजापति ने बाजी मारी।

सांस्कृतिक विधाओं में सुगम संगीत के वरिष्ठ वर्ग में विधा मालवीय और वादन में नमन पटेल प्रथम रहे। लोकगीत के कनिष्ठ वर्ग में हितेषी वर्मा एवं समूह तथा वरिष्ठ वर्ग में वैदेही राजपूत एवं समूह ने प्रथम स्थान हासिल किया। लोकनृत्य के कनिष्ठ और वरिष्ठ दोनों वर्गों में शासकीय सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया।

सेवा समिति के 35वें शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में 2240 शिक्षक-शिक्षिकाओं का हुआ सम्मान

शिक्षक राष्ट्र निर्माण के शिल्पकार, प्रतिभाओं को सम्मान देना समाज की जिम्मेदारी : शिवराज सिंह चौहान

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगर मंडीदीप में सामाजिक संस्था सेवा समिति द्वारा लगातार 35वें वर्ष आयोजित विशाल शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह गरिमामय एवं भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समारोह में ब्लॉक क्षेत्र के सेवानिवृत्त शिक्षकों, मंडीदीप नगर पालिका क्षेत्र के सभी स्कूल संचालकों सहित 2240 शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 460 मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को भी समिति की ओर से विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

शिक्षक वह शक्ति हैं जो पीढ़ियों का भविष्य गढ़ते हैं : चौहान

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माण करते हैं। एक शिक्षक के हाथ में केवल चॉक और किताब नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य होता है। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत से उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं, वे आगे चलकर समाज और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने सेवा समिति द्वारा 35 वर्षों से शिक्षकों एवं प्रतिभाओं के सम्मान की परंपरा को जारी रखने की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में शिक्षा और प्रतिभा के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से संवाद भी किया।

इन प्रतिभाओं को मिले प्रतिष्ठित पुरस्कार

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. राधाकृष्णन पुरस्कार पुष्पा लोहानी, औद्योगिक रत्न पुरस्कार नवीन कुमार मदन, आइकॉन ऑफ द इंडस्ट्रीज पुरस्कार विकास मुंद्रा, डॉ. राजकिशोर सामाजिक सरोकार पुरस्कार विनोद कुमार जैन, पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार अनंत स्पिनिंग मिल्स, द्रोणाचार्य पुरस्कार अंकित चौहान तथा मंडीदीप खेल रत्न पुरस्कार संजू राजपूत को प्रदान किया गया।

35 साल से सम्मान की परंपरा

सेवा समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह पाल ने कहा कि समिति पिछले 35 वर्षों से शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के माध्यम से समाज की उन विभूतियों को सम्मानित कर रही है, जिन्होंने शिक्षा, उद्योग, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान करना और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना समिति का संकल्प है और यह परंपरा निरंतर आगे भी जारी रहेगी। समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की कुल सचिव संगीता जौहरी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पुष्पा साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विपिन भार्गव, उषा भार्गव, उमेश पाल, पूर्णिमा जैन सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षक और प्रतिभा का सम्मान, वास्तव में समाज के भविष्य का सम्मान : सुरेंद्र पटवा

भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने अपने संबोधन में कहा कि जिस समाज में शिक्षक का सम्मान होता है, उस समाज का भविष्य हमेशा उज्ज्वल होता है। शिक्षक राष्ट्र निर्माण की वह नींव हैं, जिस पर मजबूत और संस्कारित समाज खड़ा होता है।

उन्होंने कहा कि मंडीदीप जैसे औद्योगिक नगर में सेवा समिति द्वारा पिछले 35 वर्षों से शिक्षकों और प्रतिभाओं को सम्मानित करने की परंपरा अपने आप में गौरव का विषय है। आज 2240 शिक्षक-शिक्षिकाओं और 460 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि शिक्षा और प्रतिभा के प्रति पूरे समाज का सामूहिक सम्मान है।

पटवा ने कहा कि प्रतिभाओं को मंच और प्रोत्साहन देने से उनमें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा होता है। आज सम्मान पाने वाला विद्यार्थी कल समाज का नेतृत्व करेगा और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाएगा। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेहनत, संस्कार और शिक्षा के बल पर मंडीदीप की प्रतिभाएं प्रदेश और देश में अपनी पहचान बनाएं।

बैंक, बिजली विभाग के कार्यालय में डेढ़ माह से दलदल और कीचड़, आए दिन लोग गिर कर हो रहे घायल

परिसर के अंदर राशन दुकान भी होती है संचालित, महिलाओं को भी होती है परेशानी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में बारिश के बाद जहां एक ओर लोगों को जलभराव और कीचड़ की समस्या से जूझना पड़ रहा है, वहीं केंद्रीय मर्यादित बैंक एवं मध्य प्रदेश विद्युत कंपनी के कार्यालय परिसर में फैली अव्यवस्था लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। कार्यालय परिसर में बारिश के पानी के कारण जगह-जगह दलदल और कीचड़ की स्थिति निर्मित हो गई है

बैंक एवं बिजली कंपनी से जुड़े कामकाज के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में उपभोक्ता और ग्रामीण यहां पहुंचते हैं। लेकिन कार्यालय तक पहुंचने के लिए उन्हें कीचड़ और दलदल से होकर गुजरना पड़ रहा है।

दोपहिया वाहन चालकों के साथ पैदल आने वाले लोगों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कई स्थानों पर कीचड़ इतना अधिक है कि लोगों के कपड़े और जूते खराब हो रहे हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों के परिसर में बेहतर आवागमन की व्यवस्था होना आवश्यक है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है। लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से परिसर में मुरम, गिट्टी अथवा अन्य समुचित व्यवस्था कराकर रास्ते को दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि बैंक और बिजली कंपनी में आने वाले उपभोक्ताओं को परेशानी से निजात मिल सके लोगों का कहना है यहां पर बिजली विभाग और सहकारी बैंक है और राशन दुकान होने के बाद भी डेढ़ माह अधिक समय से कीचड़ ओर दल-दल मचा हुआ है और अधिकारियों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि आए लोग फिसलकर गिर रहे और बाइक सवार भी कीचड़ से बचने के चक्कर में बाइक लेकर अंदर पहुंचते हैं जिसमें कई बाइक सवार भी फिसलकर गिर चुके हैं और घायल हो गए हैं व राशन दुकान होने के कारण भी यहां पर महिलाएं भी अपने राशन के साथ गिरने की घटनाएं सामने आई थी जिसमें लोगों अनाज भी खराब हो चुका है।

राज्य कर्मचारी संघ की बैठक में टीईटी परीक्षा का विरोध और परीक्षा से मुक्ति के लिए कानून बनाने की मांग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

राज्य कर्मचारी संघ एवं संयुक्त मोर्चा से जुड़े संगठनों की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को तेंदूखेड़ा में आयोजित की गई। बैठक में सेवारत शिक्षकों से संबंधित टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने टीईटी परीक्षा के विरोध में अपना निर्णय व्यक्त करते हुए शासन से सेवारत शिक्षकों को परीक्षा से मुक्त किए जाने की मांग की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से सेवाएं दे रहे शिक्षकों के लिए पुनः टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि तमिलनाडु सरकार की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी सेवारत शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से मुक्ति

देने के लिए विधानसभा में कानून पारित किया जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि मांग को शासन तक पहुंचाने के लिए आगामी 8 सितंबर को मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से सेवारत शिक्षकों को टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता से मुक्त करने तथा इस संबंध में आवश्यक विधायी प्रावधान किए जाने की मांग रखी जाएगी। इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे बैठक में अध्यक्ष गुड्डा सिंह ठाकुर, बृजराज सिंह परिहार, कुंजीलाल चौकसे ,उमेश उपाध्याय, ऋषि शर्मा, राजेश सरैया, लाल सिंह यादव, दिलीप द्विवेदी, सत्येंद्र जैन, अनुराधा तिवारी, हरीराम साहू, मनोहर सिंह ठाकुर, सुभाष झरिया, शंकर लाल झरिया, मनोज सिंह राजपूत, काशीराम अहिरवार, मानक लाल अहिरवार, मनमोहन अहिरवार सहित संगठन के सचिव प्रताप मरावी आदि मौजूद थे।

श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियां अंतिम चरण में, पांच हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में 9 सितंबर से 15 सितंबर तक आयोजित होने जा रही श्रीमद्भागवत कथा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। अयोध्यावासी सोनी परिवार के द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन में नगरवासियों का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। कथा का आयोजन आचार्य श्री दयोदय पशु सेवा केंद्र के सामने बनाए गए टीन शेड में किया जा रहा है, जहां प्रतिदिन करीब 50 लोग व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। कथा स्थल पर लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आने-जाने के अलग-अलग मार्ग, पार्किंग, बैठने, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं

सुनिश्चित की जा रही हैं। कथा स्थल पर पुरुषों एवं महिलाओं के बैठने के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। श्रीमद्भागवत कथा के दौरान प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से हरि इच्छा तक पंडित विपिन बिहारी दास महाराज के मुखारविंद से कथा का अमृतपान श्रद्धालुओं को कराया जाएगा। कथा स्थल को आकर्षक एवं धार्मिक स्वरूप देने के लिए भी विशेष तैयारियां की जा रही हैं। महाराज श्री के प्रवचन स्थल की साज-सज्जा एवं संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी नगर के समाजसेवी, ठेकेदार एवं पार्षद कमलेश शर्मा को सौंपी गई है, जिसका वे पूरी निष्ठा के साथ लगभग दो बार पहले से निर्वहन कर रहे हैं। आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र के अध्यक्ष संजय जैन पारसमणी ने बताया कि कथा आयोजन की व्यवस्थाएं अब अंतिम चरण में हैं।

वार्ड-8 में क्षतिग्रस्त पुलिया से आए दिन हो रहे हादसे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 8 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक वाली रोड पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिया के क्षतिग्रस्त हिस्से से आवागमन करने वाले लोगों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन चालक, पैदल राहगीर एवं अन्य वाहन गुजरते हैं।

पुलिया का हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण विशेष रूप से रात के समय स्थिति चिंताजनक हो जाती है। यदि समय रहते क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी दिन बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने बताया कि नगर में बारिश के

दौरान सड़कों और पुलियाओं की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। ऐसे में क्षतिग्रस्त पुलिया पर तत्काल ध्यान दिया जाना आवश्यक है। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद से मांग की है कि जनहित एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक बैंक मार्ग की क्षतिग्रस्त पुलिया का शीघ्र निरीक्षण कराकर आवश्यक सुधार कार्य कराया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो और संभावित दुर्घटना को टाला जा सके।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद ने मनाया शिक्षक सम्मान दिवस

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद द्वारा शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन जिला अध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे, संरक्षक सरला पांडे, जिला उपाध्यक्ष अरुणा दुबे एवं पूर्णिमा शुक्ला , जिला सचिव ज्योति तिवारी एवं नगर अध्यक्ष सुनंदा भट्ट के मार्गदर्शन में किया गया। अतिथियों एवं शिक्षकों का पारंपरिक रूप से पट्का पहना कर स्वागत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थी के व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माता होता है। सरस्वती वंदना सुषमा तिवारी द्वारा एवं कार्यक्रम का संचालन नंदिता चौबे, सपना शर्मा एवं प्रियंका गोस्वामी ने किया । समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उर्मिला भाटली , मंजू लता पांडे, रजनी त्रिपाठी , शैलजा चौबे, आराधना दुबे, संचिता दुबे, प्रीति तिवारी, शक्ति दुबे , सोमजया मिश्रा, सुषमा शर्मा, सीमा दुबे, नितिशा शर्मा, मीनाक्षी पुरोहित , सुभावना पांडे, मीना शर्मा , अल्पना पाठक , मनीषा पुरोहित एवं योगिता चौबे को सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें शील्ड एवं पेन सेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों से उनके जीवन में उनके शिक्षक की सीख और प्रेरणा के संस्मरण सुने। परिषद की पदाधिकारियों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। गुरु वह दीपक है जो स्वयं जलकर अपने शिष्यों के जीवन में ज्ञान और संस्कार का प्रकाश फैलाता है।

मेट्रो एंकर पं. चंद्रमोहन शर्मा की स्मृति में आयोजित हुआ समारोह, सिरोंज-लटेरी विधानसभा के वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षकों का किया गया सम्मान

सिरोंज में 32 सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान, विधायक ने पैर छूकर लिया आशीर्वाद

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

आदर्श शिक्षक पं. चंद्रमोहन शर्मा की स्मृति में रविवार को कुरवाई रोड स्थित अनंत श्री गार्डन में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। लोक मंगल समिति एवं स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा लोक कल्याण न्यास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सिरोंज-लटेरी तहसील के लगभग 32 सेवानिवृत्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का शाल, श्रीफल, साफा, उत्तरीय, माला, मिष्ठान एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा ने

उपस्थित सभी वरिष्ठ शिक्षकों पर पुष्पवर्षा कर उनका सम्मान किया। इसके साथ ही वरिष्ठ शिक्षकों को सम्मान पत्र एवं मिष्ठान भेंट किया गया। विधायक उमाकांत शर्मा ने वरिष्ठ शिक्षकों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद भी लिया। शिक्षाविद् दिनेश राजोरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक वह होता है जो छोटी-छोटी गलतियों को बिना बताए दूर कर देता है। शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि देश और समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान को याद करने का अवसर भी है। चाणक्य और द्रोणाचार्य जैसे अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं। शिक्षक अंदर से मुलायम और बाहर से कठोर होना चाहिए, ताकि वह विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ सही दिशा दे सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनादि टीवी के प्रकाश भटनागर ने कहा कि यह पूरा परिवार शिक्षा विभाग से जुड़ा रहा है। इस क्षेत्र के लिए विधायक उमाकांत शर्मा हेड मास्टर की तरह हैं और क्षेत्रवासियों के साथ उनका आत्मीय संबंध परिवार जैसा है। उन्होंने कहा कि आदर्श शिक्षक पं. चंद्रमोहन शर्मा का जीवन हमें यह संदेश देता है कि हमें केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाना चाहिए, बल्कि बच्चों के चरित्र का निर्माण और उनके भविष्य को संवारने का कार्य भी करना चाहिए। एक अच्छा शिक्षक जीवन में जीने की कला सिखाता है और उसके हाथों में आने वाली पीढ़ी का भविष्य होता है। भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है।

कार्यक्रम में आशीष शर्मा एवं शिवकुमार मिश्रा द्वारा भूमिका वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आदर्श शिक्षक पं. चंद्रमोहन शर्मा के शिक्षकीय जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चंद्रमोहन शर्मा शहर में आदर्श शिक्षक के रूप में पहचाने जाते थे। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे शिक्षक प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि पं. चंद्रमोहन शर्मा का जन्म सिरोंज में हुआ था। उन्हें पुस्तैनी रूप से कोई विशेष संपत्ति प्राप्त नहीं हुई, लेकिन पांडित्य ज्ञान, ज्योतिष ज्ञान सहित विभिन्न विषयों पर उनका गहरा आधिपत्य था। उस समय वे मैट्रिक शिक्षित थे और एक समय भोजन करने जैसी सादगीपूर्ण जीवनशैली अपनाते थे। उस समय शिक्षा का स्तर काफी कठिन था। आज भी उनके अनेक शिष्य समाज और देश की सेवा कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि पं. चंद्रमोहन शर्मा का चरित्र अनुकरणीय था। समय पर विद्यालय पहुंचना और ईमानदारी उनके व्यक्तित्व में कूट-कूटकर भरी थी। ज्योतिष एवं अन्य विषयों का भी उन्हें गहरा ज्ञान था।

वार्ड नंबर 11 में लाल मुंह के बंदर का आतंक, महिला को काटकर किया घायल

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड नंबर 11 में लाल मुंह के बंदर के आतंक से रहवासी परेशान हैं। शनिवार रात करीब 8 बजे एक महिला को बंदर ने काटकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार वार्ड निवासी सविता, पति चैन सिंह लोधी, रात के समय छत पर बर्तन धो रही थीं। इसी दौरान अचानक लाल मुंह का बंदर वहां पहुंच गया और उनके हाथ में काट लिया। बंदर के काटने से महिला को चोट आई, जिसके बाद परिजनों द्वारा उनका उपचार कराया गया। घटना के बाद वार्डवासियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदर पिछले एक वर्ष से क्षेत्र में सक्रिय है और अब तक 50 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर चुका है।

बाइलेटरल सीरीज की जगह 3 या 4 देशों का टूर्नामेंट कराने की तैयारी

भारत-पाकिस्तान की टक्कर के लिए ICC का मास्टरप्लान! सितंबर में होगी अहम बैठक

यूएई इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में मुकाबलों की मेजबानी पर नजर

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद खास मौका होता है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली जा रही है। ऐसे में जब भी भारत और पाकिस्तान की टीमें मैदान पर आमने-सामने आती हैं, मुकाबले को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिलता है। अब क्रिकेट प्रशंसकों के लिए इसी रोमांच को और बढ़ाने वाली एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

आईसीसी भारत और पाकिस्तान को नियमित रूप से आमने-सामने लाने के लिए एक नए मॉडल पर विचार कर रही है। इसके तहत द्विपक्षीय सीरीज की जगह तीन देशों या चार देशों वाले बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर यह योजना आगे बढ़ती है तो आने वाले वर्षों में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबलों की संख्या बढ़ सकती है। आईसीसी की ओर से 22 और 23 सितंबर को दुबई में एक विशेष सेमिनार आयोजित किया जाना है। इस बैठक में दुनिया के सभी 12 टेस्ट खेलने वाले देशों के क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। बैठक का एक अहम मुद्दा 2027 से 2031 के बीच प्रस्तावित फ्यूचर टूर प्रोग्राम के तहत नए तरह के बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों का आयोजन होगा। आईसीसी के स्तर पर तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज और चार देशों के टूर्नामेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होने की संभावना है।

सीधी सीरीज में अड़चन, टूर्नामेंट में रास्ता आसान

भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध लंबे समय से बंद हैं। दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ अलग से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलती। भारत सरकार और बीसीसीआई की मौजूदा नीति के चलते निकट भविष्य में भी सीधे तौर पर ऐसी सीरीज आयोजित होना मुश्किल माना जाता है। हालांकि, बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट का प्रारूप इस समस्या का एक संभावित रास्ता निकाल सकता है। अगर भारत और पाकिस्तान किसी तीन या चार देशों के टूर्नामेंट का हिस्सा बनते हैं तो दोनों टीमों का मुकाबला उसी प्रतियोगिता के कार्यक्रम के तहत कराया जा सकता है। इससे अलग से द्विपक्षीय सीरीज आयोजित करने की जरूरत नहीं होगी।

तीसरे देश में हो सकते हैं मुकाबले

भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए दोनों टीमों के मुकाबले किसी तटस्थ देश में आयोजित किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश संभावित मेजबान के तौर पर चर्चा में हो सकते हैं। इन देशों में बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन का अनुभव भी है और भारत-पाकिस्तान मैच के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना रहती है। खासकर दुबई में पहले भी दोनों देशों के बीच कई हाई-वोल्टेज मुकाबले खेले जा चुके हैं।

2012-13 के बाद नहीं हुई द्विपक्षीय सीरीज

भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में हुई थी। उस दौरान पाकिस्तान की टीम ने भारत का दौरा किया था और दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की सीरीज खेली गई थी। इसके बाद से दोनों टीमों के बीच नियमित द्विपक्षीय क्रिकेट पूरी तरह बंद है। हालांकि, आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट और एशिया कप जैसे आयोजनों में दोनों टीमें आमने-सामने आती रही हैं। इन मुकाबलों को लेकर स्टेडियम से लेकर टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म तक जबरदस्त दर्शक संख्या देखने को मिलती है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान को ज्यादा बार आमने-सामने लाने का यह प्रस्ताव अभी शुरुआती चरण में है। सितंबर में होने वाली आईसीसी की बैठक में सदस्य देशों के क्रिकेट बोर्ड इस मॉडल पर चर्चा करेंगे। इसके बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी कि तीन या चार देशों वाले टूर्नामेंट को भविष्य के कार्यक्रम में कितनी जगह मिलती है।

पाकिस्तान की अपने ही खोल रहे पोल

अतीक ने टीम पर साधा निशाना बोले- बहुत बुरे दौर से गुजर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज अतीक-उज-जमां पाकिस्तानी पुरुष टीम के मौजूदा हालत से बेहद दुखी हैं। अतीक का मानना है कि इंग्लैंड में जारी टेस्ट सीरीज के बीच में ही खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ में बदलाव और अफरा-तफरी के कारण टीम की हालत बहुत खराब हो गई है। लॉर्ड्स में 194 रनों की करारी हार के बाद पाकिस्तानी टीम तीन मुकाबलों की सीरीज में 0-2 से पिछड़ गई है। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने नौ सितंबर से एजबेस्टन में शुरू होने वाले आखिरी मैच से पहले सात खिलाड़ियों, मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को घर वापस भेजने का फैसला लिया।

सीमित ओवर टीम के कोच माइक हेसन और एशले नोफके ने लाल गेंद कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल ली है, जबकि पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने चयन समिति से इस्तीफा देने के साथ लाहौर में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट का पद भी छोड़ दिया। पीसीबी के इस फैसले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। दुनिया भर के विशेषज्ञों ने इसकी कड़ी आलोचना की, खासकर इसलिए क्योंकि पाकिस्तान का प्रदर्शन सभी फॉर्मेट में तेजी से गिर रहा है।

अतीक-उज-जमां ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि खुर्रम शहजाद को क्यों हटाया गया या लीड्स टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले स्पिनर (अली उस्मान) को घर क्यों भेज दिया गया। अचानक, अब टी20 बॉलर्स को टेस्ट स्क्वाड में लाया जा रहा है। क्यों? क्योंकि माइक हेसन के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं और वे उन्हें टेस्ट क्रिकेट में ले आए। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट इस समय बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। मुझे सच में बहुत दुख होता है, क्योंकि भले ही मैं इंग्लैंड में रहता हूं, लेकिन दिल से पाकिस्तानी हूं। मैंने अपने देश के लिए खेला है और मैं चाहता हूं कि वे बेहतर करें और अलग-अलग हालात में अच्छा प्रदर्शन करें। पाकिस्तान क्रिकेट अभी अपने सबसे निचले स्तर पर है।

सरफराज-गुल को हटाने से हैरान नजर आए अतीक

अतीक सीरीज के बीच में ही सरफराज और गुल को उनकी जिम्मेदारियों से हटाने के फैसले से भी हैरान नजर आए। उन्होंने कहा, इसका कोई औचित्य नहीं है। जिन लोगों ने उन्हें चुना था, वही अब उन्हें टीम से बाहर कर रहे हैं। इसका मतलब है कि या तो आपने शुरू में ही कोई गलती की थी, या फिर आप अभी कोई गलती कर रहे हैं। सरफराज अहमद और उमर गुल पाकिस्तान क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए वर्ल्ड कप जीते हैं। सरफराज ने अंडर-19 स्तर पर वर्ल्ड कप जीता और फिर नेशनल कप्तान के तौर पर चैंपियंस ट्रॉफी जीती। वे सम्मान के हकदार हैं। अब, मैं व्यक्तिगत रूप से उनके पाकिस्तान टेस्ट टीम के हेड कोच बनने से सहमत नहीं था, क्योंकि उनके पास पहले से कोई कोचिंग अनुभव या योग्यता नहीं है।

भारत से टक्कर को तैयार उरुग्वे, स्टार वाल्वेरडे समेत दिग्गजों की फौज घोषित

नई दिल्ली , एजेंसी

उरुग्वे ने अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। उरुग्वे ने अपनी टीम में रियल मैड्रिड क्लब के स्टार फेडेरिको वाल्वेरडे को शामिल किया है। हेड कोच डिएगो फोरलान की अगुवाई वाली दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे टीम में कई अन्य अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी रखा गया है। भारत और उरुग्वे के बीच मैत्री मैच 6 अक्तूबर को यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा।पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील समेत कई टीमों से अगले महीने भारत मैत्री मैच खेलेगा। उरुग्वे कटीम में रोड्रिगो बेंटानकुर, लुकास टोरेरा, जियोर्जियन डी अरास्केटा, फाकुंदो पेलिस्ट्री, मैक्सिमिलियानो अराउजो और ब्रायन रोड्रिगेज भी हैं। रक्षण रोनाल्ड अराउजो, जोस मारिया जिमेनेज, नाहितन नंडेज, गुइलेर्मो वारेला, मैथियास ओलिवेरा के हवाले है। भारत के खिलाफ होने वाला यह मुकाबला फीफा विश्वकप के पूर्व स्टार खिलाड़ी फोरलान के उरुग्वे के कोच के तौर पर पहला मैच होगा। फोरलान 2010 फीफा विश्वकप के गोल्डन बॉल विजेता होने के साथ ही 2011 कोपा अमेरिका चैंपियन भी हैं। उन्होंने उरुग्वे के लिए 112 मैचों में 36 गोल किए थे। कई बड़े क्लबों से जुड़े रहे फोरलान भारत में भी इंडियनन सुपर लीग में मुंबई सिटी एफसी के कोच रहे हैं।

आईएसएल सीजन 10 अक्टूबर से शुरू होगा

एआईएफएफ ने इंडियन सुपर लीग 2026-27 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह 10 अक्तूबर से मई, 2027 तक चलेगा। इस दौरान 163 मैचों में पारंपरिक होम एंड अवे फॉर्मेट के तहत मुकाबला होगा।

दलीप ट्रॉफी फाइनल

ईशान ने में ठोका शतक टीम इंडिया में वापसी के लिए मजबूत किया दावा

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार शतक लगाकर एक बार फिर भारतीय टेस्ट टीम के दरवाजे पर दस्तक दी है। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले के पहले दिन ईशान ने मुश्किल परिस्थितियों में कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद 111 रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत ईस्ट जोन ने दिन का खेल खत्म होने तक 4 विकेट पर 385 रन का मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया। ईशान किशन लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। 2023 के बाद से उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट के फाइनल में कप्तानी करते हुए शतक लगाना उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेड बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर ईशान चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहेंगे।

शेफाली को सेंडऑफ देकर घिरीं पाकिस्तानी कप्तान फातिमा, कमेंटेटर ने लगाई फटकार

दुबई, एजेंसी

विमेंस एशिया कप 2026 के मुकाबले में पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सेंडऑफ दिया, जो अब विवाद का विषय बन चुका है। शेफाली को 12 रनों के निजी स्कोर पर आउट करने के बाद फातिमा ने बल्लेबाज की तरफ इशारा करते हुए पवेलियन जाने का संकेत दिया। इस अंदाज पर कमेंटेटर एवं पूर्व भारतीय क्रिकेटर विवेक राजदान ने फातिमा की आलोचना की।

शेफाली वर्मा ने पारीकी पहली ही गेंद परछक्का जड़ा था। इसके बाद सिंगल लेकर उन्होंने महिला टी20 इंटरनेशनल में 3000 रन पूरे किए। इसके बाद शेफाली ने फातिमा सना की गेंद पर चौका लगाया, लेकिन पाकिस्तान की कप्तान ने वापसी की। उन्होंने कॉट एंड बोल्ड के जरिए शेफाली की पारी खत्म कर दी। विकेट लेने के बाद उनका सेंडऑफ ही मैच के सबसे चर्चित पलों में शामिल हो गया। फातिमा सना के जश्न पर विवेक राजदान ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी का हवाला देते हुए सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि पूरी पाकिस्तानी टीम सिर्फ 55 रनों पर आउट हुई और इसके बावजूद कप्तान शेफाली को बाहर जाने का इशारा कर रही थीं। राजदान ने कहा, अच्छा, बाहर का रास्ता दिखा रही हैं आप। आपकी पूरी टीम ने 55 रन बनाए हैं और आप शेफाली वर्मा को बाहर का रास्ता दिखा रही हैं।

फातिमा सना ने झटके तीन विकेट

हालांकि, गेंदबाजी में फातिमा ने पाकिस्तान की ओर से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शेफाली वर्मा के अलावा प्रतीका रावल और स्मृति मंधाना को भी पवेलियन भेजा। इसके बावजूद पाकिस्तान के बाकी गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को रोक नहीं सके। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने एक समय बिना विकेट खोए 27 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद भारतीय स्पिनर्स ने पूरी पारी का रुख बदल दिया। श्री चरणी और प्रेमा रावत ने तीन-तीन विकेट झटके। पाकिस्तान के 10 विकेट सिर्फ 28 रनों के भीतर गिर गए और टीम 55 रनों पर ऑलआउट हो गई।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बहुत सी बातें आसमान में लिख दी गई हैं, हंसते हुए गोविंदा ने बयां किया दर्द, पत्नी पर कसा तंज!

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा ने युथ शक्ति दही हांडी इवेंट में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने अपनी पत्नी सुनीता अहुजा द्वारा लगाए गए आरोपों पर निशाना साधा। इवेंट के सांस्कृतिक महत्व के बारे में बात करते हुए एक्टर ने फैंस से लगातार सपोर्ट करने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि वो अपनी जिंदगी में आगे बढ़ पाएंगे। ये भी बताया कि वो अपनी आने वाली फिल्म रूपा के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं।

गोविंदा ने पहले इवेंट के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा- जब यह प्रयास हो रहा है, तो यह सिर्फ एक खेल नहीं है।।। हम सभी को अपने देश की विरासत को आगे बढ़ाना है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम पूरी दुनिया में कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

इवेंट में गोविंदा ने पत्नी सुनीता द्वारा लगाए गए धोखा देने के आरोपों का जवाब दिया। एक्टर ने कहा कि बहुत सी बातें आसमान में लिख दी गई हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि वो क्लीन अप हो जाएं और गोविंदा उसे क्लीन अप कर पाए। उन्होंने अपने चाहने वालों से सपोर्ट की अपील करते हुए कहा, आप लोगों का सहयोग चाहिए, साथ चाहिए। एक्टर ने अपने फैंस और फॉलोअर्स का लगातार सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने रूपा और दुनियादारी के साथ सिनेमा में अपनी वापसी की घोषणा भी की। गोविंदा ने अंत में फैंस से आशीर्वाद मांगते हुए कहा, गोविंदा आगे निकल पाएं ऐसी प्रार्थना कीजिए।

मुश्किल में शादी

पिछले दो साल से गोविंदा और सुनीता आहूजा की मैरिड लाइफ को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आ रही हैं। सुनीता ने गोविंदा पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। हाल ही में उन्होंने अपना तलाक केस भी वापस लिया। सुनीता के आरोपों पर पलटवार करते हुए गोविंदा ने उन्हें हद में रहने की हिदायत दी थी। गोविंदा के बयानों से लगता है कि वो सुनीता के आरोपों से परेशान हैं और अपनी हंसी में कई दर्द छिपाए हुए हैं।

सलमान के सामने मनोज तिवारी की बेटी ने किया बाप वाला मजाक, याद आई अंडे वाली लड़ाई

सलमान खान एक बार फिर %बिग बॉस% के नए सीजन के साथ टीवी पर लौटने के लिए तैयार हैं। %बिग बॉस 20% के प्रीमियर से पहले शो के कई मजेदार पल सामने आने लगे हैं। इसी बीच मेकर्स ने शो का एक नया प्रोमो जारी किया है, जिसमें सलमान खान भोजपुरी अभिनेता व सांसद मनोज तिवारी के साथ जमकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं।

वहीं, मनोज तिवारी की बेटी रिति तिवारी भी स्टेज पर पहुंचती हैं। इस दौरान बिग बॉस 4 की अंडे वाली लड़ाई का जिक्र भी होता है। नए प्रोमो की शुरुआत मनोज तिवारी के स्टेज पर पहुंचने से होती है। वह अपने चर्चित गाने रिंकिया के पापाको गाते हुए बिग बॉस 20 के स्टेज पर एंट्री करते हैं। इसके बाद वह सलमान को बताते हैं कि इस बार वह घर में रहने या कंटेस्टेंट बनने नहीं आए हैं बल्कि अपनी बेटी रिति तिवारी को शो में छोड़ने आए हैं। तभी रिति स्टेज पर आती हैं और उन्हें देखकर सलमान भी मजेदार अंदाज में उनसे बातचीत शुरू कर देते हैं।

सलमान बिग बॉस 4 में हुई मनोज तिवारी और डॉली बिंद्रा के बीच हुई अंडे की लड़ाई का जिक्र करते हुए रिति से मजाकिया अंदाज में कहते हैं, घर के अंदर अंडे को लेकर कभी फाइट नहीं करना।% इसके बाद वह मनोज तिवारी की तरफ इशारा करते हुए कहते हैं, ऐ बाप पे मत जाना। सलमान की यह बात सुनकर मनोज तिवारी अपना चेहरा छिपा लेते हैं। दरअसल, सलमान का यह मजाक बिग बॉस 4% की उस चर्चित लड़ाई से जुड़ा है, जिसमें मनोज तिवारी और डॉली बिंद्रा के बीच अंडे को लेकर जमकर विवाद हुआ था। उस समय मनोज नाश्ते में ऑमलेट बनाना चाहते थे जबकि डॉली बिंद्रा ने उनसे पहले बचा हुआ खाना खत्म करने को कहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस बढ़ गई थी।

मेट्रो बाजार

टाटा समूह की कंपनी जेएलआर की ब्रिटेन में 4,000 तक नौकरियां खत्म करने की योजना -रिपोर्ट

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) बढ़ती लागत, कमजोर मांग और अमेरिका द्वारा लगाए गए आयात शुल्क जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। अब कंपनी अगले दो वर्षों में ब्रिटेन में करीब 4,000 नौकरियों में कटौती की तैयारी कर रही है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, जेएलआर सोमवार को औपचारिक रूप से छंटनी कार्यक्रम की घोषणा कर सकती है। इससे पहले कंपनी ने शुक्रवार को कर्मचारियों को बताया था कि यह कदम जल्द उठाया जाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाहन निर्माता कंपनी ब्रिटेन में वेस्ट मिडलैंड्स और मर्सीसाइड के हेलवुड स्थित अपने प्लांट्स में करीब 34,000 लोगों को रोजगार देती है। इसके अलावा, कंपनी की घरेलू सप्लाई चेन के जरिए अनुमानित 1.20 लाख नौकरियों को भी समर्थन मिलता है। कर्मचारियों की संख्या में यह प्रस्तावित कटौती ऐसे समय में की जा रही है, जब पिछले साल टाटा मोटर्स के वित्त प्रमुख के रूप में काम कर चुके पीबी बालाजी ने जेएलआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद संभाला था। उनका लक्ष्य कंपनी का मुनाफा बढ़ाना और लागत कम करना है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शन में गिरावट के बाद टाटा मोटर्स ने जेएलआर के प्रबंधन पर दबाव बढ़ा दिया है।

रोग एआई एजेंट्स ने जर्मन वेबसाइट पर किया कब्जा

ओपनएआई ने कहा- फेमवर्क पर कर रहे काम

नई दिल्ली। रिसर्चर्स ने पाया कि ओपनएआई के कुछ %रोग एआई% एजेंट्स ने एक जर्मन वेबसाइट पर नियंत्रण कर लिया था और उसे दूसरे एआई एजेंट्स के लिए एक मैसेज बोर्ड में बदल दिया था। इस मामले के सामने आने के बाद अमेरिका की एआई कंपनी ओपनएआई ने कहा है कि वह ऐसी चिंताओं को दूर करने के लिए एक फ्रेमवर्क पर काम कर रही है और आने वाले हफ्तों में इसे शेयर करेगी।

कंपनी ने यह भी कहा कि वह इन मुद्दों पर दुनिया भर की दर्जनों सरकारी रेगुलेटरी एजेंसियों के साथ काम कर रही है, जिसमें हालिया %विकी इंसिडेंट% भी शामिल है। बता दें कि रिसर्च में पाया गया था कि इस साल वसंत में %रोग ओपनएआई% एजेंट्स के एक समूह ने एक जर्मन वेबसाइट पर कब्जा कर लिया था। %ओपनएआई% ने %एक्स% पोस्ट में लिखा, ÷हम विकी इंसिडेंट के बारे में कैसे सोचते हैं, जहां हमारे एजेंट्स ने कई इंटरनेट साइटों पर लिखा था। अब समय आ गया है कि हम यह तय करें कि हम कब और कैसे मिसअलाइनमेंट की घटनाओं को शेयर करेंगे, न कि सिर्फ हमारे मॉडल के मिसअलाइनमेंट प्रॉपर्टीज को।÷

कंपनी ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से हमने मिसअलाइनमेंट को मुख्य रूप से एक रिसर्च सवाल के रूप में देखा है, जिसे सिस्टम कार्ड जैसे रिसर्च पब्लिकेशन में बताया जाता है। ÷इस साल, हमने देखा है कि मिसअलाइनमेंट के कारण नए प्रकार के वास्तविक दुनिया पर प्रभाव पड़ रहे हैं।÷ %हगिंग फेस% घटना पर, जहां मिसअलाइनमेंट के कारण कंपनी और थर्ड पार्टी को सुरक्षा के लिहाज से नुकसान हुआ, ओपनएआई ने कहा कि उसने पारंपरिक सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया प्लेबुक का पालन किया।

चीन में भारी बारिश से बाढ़ लाखों लोग विस्थापित

चीन। एजेंसी

दक्षिण चीन सागर के ऊपर फिर से मजबूत होने के बाद, टाइफून सौदेल नेफुजियान प्रांत के तट पर तीसरी बार दस्तक दी, जिससे चीन के तटीय प्रांतों में भारी बारिश और बाढ़ आ गई। लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा।

9 सितंबर तक चीन के फुजियान और ग्वांगडोंग प्रांत टाइफून सौदेल के कारण होने वाली भारी बारिश के मद्देनजर अलर्ट पर रहे। तूफान के मद्देनजर, चीन में स्थानीय अधिकारियों ने स्कूल बंद कर दिए हैं और सार्वजनिक परिवहन निलंबित कर दिया है। तटीय क्षेत्रों में बाढ़ से बचाव के लिए कई उपाय लागू किए गए हैं।

झेजियांग और पड़ोसी प्रांतों में लाखों लोगों को निकाला गया है, जिनमें अकेले फुजियान में 83,000 लोग शामिल हैं। फुडिंग शहर (फुजियान प्रांत) में, बचाव कर्मियों को बुजुर्ग लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए कमर तक गहरे बाढ़ के पानी में से होकर गुजरना पड़ा। पुतियान शहर (फुजियान प्रांत) में प्रमुख राजमार्ग जलमग्न हो गए, जिससे पुल क्षतिग्रस्त हो गए और कई आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए। अधिकारियों ने फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए बचाव दल तैनात किए हैं। चाइना सेंट्रल टेलीविजन (सीसीटीवी) ने बताया कि कुछ लोग अभी भी लापता हैं।

न्यूज विंडो

सुपर हीरो अंदाज में दिखे ट्रंप: सीमा पर दीवार लगाकर रोके अवैध अप्रवासी

वॉशिंगटन. एजेंसी। अमेरिकी राजनीति में अब सुपरहीरो का तड़का भी लग गया है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ग्रीन लैंटर्न थीम पर एक एआई वीडियो जारी किया है। वीडियो में ट्रंप को हरे रंग की रोशनी व सुपरहीरो जैसी ताकत के साथ दिखाया गया है, जो ग्रीन लैंटर्न के मशहूर पावर रिंग से प्रेरित है। वीडियो शेयर कर व्हाइट हाउस ने क्या लिखा? व्हाइट हाउस के एक्स अकाउंट पर वीडियो साझा किया। लिखा, 'तेज धूप में हो या अंधेरी रात में, कोई बुराई मेरी नजर से नहीं बच पाएगी। जो लोग बुराई की ताकत की पूजा करते हैं, वे मेरी शक्ति से सावधान रहें। ग्रीन लैंटर्न की रोशनी!' वीडियो में ट्रंप चमकती अंगूठी उठाते और एक चमकदार हरी सीमा दीवार बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो प्रशासन की आव्रजन नीतियों का संकेत है। इसके बाद वे अपनी शक्तियों का उपयोग अमेरिकी विनिर्माण और सैन्य प्रयासों को बढ़ाने के लिए करते हैं। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 31 अगस्त को एक वीडियो साझा किया था।

कानपुर में तीन मंजिला मकान में लगी आग, रेस्क्यू कर परिवार को निकाला

कानपुर. एजेंसी। स्वरूप नगर क्षेत्र में सोमवार तडके गैस्ट्रो लीवर अस्पताल के पास एक घर में आग लग गई। घटना के समय सभी गहरी नींद में सो रहे थे। धुआं और लपटें उठती देखकर उन्होंने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग की जानकारी मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा के साथ कर्नलगंज और लाटूश रोड फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची। जवानों ने सीढ़ी लगाकर आग में फंसे हुए दोनों परिवारों को सुरक्षित निकालते हुए करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों परिवारों के साथ ही दोनों कुत्तों को सुरक्षित निकाल लिया। स्वरूप नगर में गैस्ट्रोलीवर अस्पताल के पास तीन मंजिला मकान है। जिसमें पंकज अग्रवाल और दीपक खन्ना दोनों का परिवार रहता है। दीपक अग्रवाल के परिवार में पत्नी मीना और बेटी मौली है। जबकि दीपक खन्ना के परिवार में पत्नी अन्नू खन्ना के अलावा बेटा करन, नम्रता और आरवी खन्ना व अंकित आदि लोग रहते हैं।

सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड: 20 इंस्टा आईडी सस्पेंड, दो और मुकदमे

शामली. एजेंसी। पश्चिम उत्तर प्रदेश और हरियाणा में चर्चित हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर इंटरनेट मीडिया पर लगातार फैलाई जा रही अफवाहों, भ्रामक प्रचार और स्वजन को हत्या की धमकी को लेकर पुलिस ने शिकंजा कसा है। पुलिस ने दो अलग-अलग मुकदमों में छह लोगों को नामजद किया है। इसके अलावा 20 फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड कराए। अधिकतर फरार शूटर सत्यम कादयान के नाम से थे। एक फर्जी आईडी से अंकित के परिवार को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। पूरे प्रकरण की जांच साइबर क्राइम थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

असत्य व भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों पर शामली पुलिस का शिकंजा : 26 अगस्त को अंकित बालियान की कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला आर्यपुरी में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने 31 अगस्त को दो शूटर 50-50 हजार के इनामी शूटर सुमित और मोहित निवासी सोनीपत को ढेर कर दिया था। जबकि इस प्रकरण में दो शूटर आर्यन संधू और सत्यम कादयान फिलहाल फरार चल रहे है। जिनकी तलाश में टीम लगी हुई है। हत्याकांड से अगले ही दिन से लगातार फर्जी आईडी से विभिन्न पोस्ट अंकित बालियान हत्याकांड से जुड़ी की जा रही है।

यमन में फिर भड़की जंग

हूतियों और सेना में भीषण लड़ाई, 4 दिन में 117 मौतें

एडेन। एजेंसी

पश्चिमी प्रांतों ताइज और होदेइदाह में यमनी सरकारी सेना और हूती समूह के बीच चार दिनों से भीषण झड़प चल रही है। इसमें अबतक कम से कम 117 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी मेडिकल अधिकारियों ने दी। पश्चिमी तट के मोर्चे पर सरकारी सेना के साथ मौजूद एक वरिष्ठ मेडिकल अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया गुरुवार को लड़ाई शुरू होने के बाद से सरकारी सेना के 54 सैनिक मारे गए हैं। कई अन्य घायल हो गए हैं।

वहीं, पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हूती नियंत्रित अस्पतालों के दो मेडिकल सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान हूती समूह के 63 सदस्य मारे गए हैं। इस तरह दोनों पक्षों से मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 117 हो चुकी है।

बता दें कि यमनी सरकार के लड़ाकू विमानों ने श्होदेइदाह और ताइज के पश्चिमी प्रांतों में हूती -नियंत्रित इलाकों पर हमले किए। ये हमले रणनीतिक बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य के पास हूती समूह के बड़े हमले का सामना कर रही जमीनी सेना की मदद के लिए किए गए थे।

कई मोर्चों पर जबरदस्त लड़ाई

एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि ये हवाई हमले ऐसे समय में किए गए, जब दोनों प्रांतों में कई मोर्चों पर जबरदस्त लड़ाई चल रही थी। हूती लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में तेजी से आगे बढ़ते हुए कई इलाकों पर कब्जा कर लिया था।

लड़ाकू विमानों ने कई जगहों को निशाना बनाया

अधिकारी ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने उन इलाकों में हूती ठिकानों और गतिविधियों को निशाना बनाया जहां जमीनी लड़ाई चल रही थी। हमलों या हताहतों के बारे में और जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं हो सकी।

कुछ ही घंटों में किया जवाबी हमला कई महत्वपूर्ण ठिकाने कब्जे में

सरकार के एक सैन्य अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ को बताया कि हूती सदस्यों द्वारा कब्जा किए जाने के कुछ ही घंटों के बाद सरकारी सेना ने रात भर चले एक तेज जवाबी हमले में पश्चिमी ताइज में कई महत्वपूर्ण ठिकानों को वापस अपने कब्जे में ले लिया। हालिया तनाव पश्चिमी यमन में पिछले कुछ वर्षों की सबसे भीषण जमीनी लड़ाइयों में से एक है। इससे देश के कई मोर्चों पर वर्षों की सापेक्ष शांति के बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई फिर से शुरू होने की चिंता बढ़ गई है।

90 नेताओं को मिली जगह

देर रात भोपाल बीजेपी की जिला कार्यसमिति घोषित

सुरेश पचौरी, उमाशंकर गुप्ता, रघुनंदन शर्मा, विश्वास सारंग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यसमिति रविवार रात करीब डेढ़ बजे जारी की गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से जिलाध्यक्ष रविन्द्र यती ने जिला कार्यकारिणी सदस्यों, स्थाई आमंत्रित व विशेष आमंत्रित सदस्यों के नामों की सूची जारी की।

90 कार्यकर्ताओं को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इसमें मनोज राठौर, मनोज राजू अनेजा, राजेश खटीक, महेश जोशी, दिनेश पांडे, अनुषा सिंह रघुवंशी, पूजा भारद्वाज, विकास शर्मा (बंटी), सुमत कुमार जैन और सुनील व्यास सहित कई प्रमुख कार्यकर्ताओं को शामिल किया है।

पचौरी बने स्थायी आमंत्रित सदस्य

इसके अलावा संगठन ने 23 नेताओं को स्थाई आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया है। इस श्रेणी में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी, रघुनंदन शर्मा, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, ध्रुवनारायण सिंह, महापौर मालती राय, राहुल कोठारी और सुमित पचौरी जैसे दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं।

बसपा की मैराथन बैठक में मंथन

मायावती छोटे भतीजे को राजनीति में लाएंगी

लखनऊ। एजेंसी

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को सक्रिय राजनीति में लाने का फैसला लिया है। उनको पार्टी में मुख्य सेक्टर प्रभारी बनाया गया है। रविवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में चली मैराथन बैठक के बाद ईशान आनंद को कुछ राज्यों का प्रभारी बनाए जाने की चर्चा है। हालांकि, इस बारे में पार्टी की तरफ से कोई घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, ईशान बसपा सुप्रीमो मायावती के अलावा अपने पिता एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार को रिपोर्ट करेंगे। दरअसल, आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक के पद से हटाने के बाद उनके छोटे भाई ईशान को पार्टी में कोई अहम जिम्मेदारी देने की संभावना जताई जा रही थी।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हुए थे शामिल

ईशान बीते दिनों राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में शामिल हुए थे। वे इससे पहले मायावती के जन्मदिन पर भी आए थे। अब चर्चा है कि नेशनल को-आर्डिनेटर रामजी गौतम और लालाराम का भी कद बढ़ाकर कुछ अन्य राज्यों का प्रभार भी सौंपा गया है।

नेपाल बाढ़ हादसे में भी अब तक 5000 से अधिक लोग लापता

बाढ़ से हुई तबाही के बाद पहली बार इंटरनेशनल मीडिया तिब्बत पहुंचा, चीनी विदेश मंत्रालय ने दौरा कराया

चीन। एजेंसी

चीन के विदेश मंत्रालय ने रॉयटर्स समेत कई विदेशी मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को ग्यिरोंग बॉर्डर क्रॉसिंग का दौरा कराया। यह इलाका 26 अगस्त को पानी, कीचड़ और मलबे की तेज लहर की चपेट में आया था। चीन और नेपाल को मिलाकर इस आपदा में 1,300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 5,000 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। दौरे के दौरान पत्रकारों ने प्रभावित इलाके में चल रहे बचाव अभियान को देखा। नारंगी रंग की वर्दी पहने बचावकर्मी खुदाई मशीनों, फावड़ों और जमीन के नीचे तलाश करने वाले रडार की मदद से लोगों और शवों को खोज रहे हैं।

कस्टम बिल्डिंग का नहीं बचा कोई निशान

आपदा से पहले यहां चीन की पांच मंजिला कस्टम्स बिल्डिंग थी, लेकिन अब उसका कोई निशान नहीं बचा है। करीब 20 मीटर ऊंचा बॉर्डर गेट भी मलबे में दब गया है। वहां सिर्फ पास के पानी के टावर का एक हिस्सा दिखाई दे रहा है।

हर तरफ तबाही के ही दिखे निशान

बाढ़ से हुई तबाही के बाद ऐसे हालात नजर आए कि हर कोई हैरत में पड़ गया। बाढ़ से पहले जहां बॉर्डर गेट बनाया गया था, वहां चीन का झंडा लगाया गया है। आसपास का पूरा इलाका भूरे-काले मलबे से ढका हुआ है। बचावकर्मी चेतावनी वाले बोर्ड के पीछे लगातार खुदाई कर रहे हैं। इसके अलावा और भी कई क्षेत्रों में विभीषिका देखी।

मेट्रो एंकर **रिपोर्ट-236 करोड़ रुपए कमाई का अनुमान, 30 हजार ड्रोन खरीदे जा सकेंगे**

युद्ध का खर्च जुटाने पोर्न पर टैक्स लगाएगा यूक्रेन

यूक्रेन। एजेंसी

रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन सरकार देश में चल रहे एडल्ट कंटेंट के कारोबार को कानूनी दायरे में लाने और उस पर टैक्स लगाने पर विचार कर रही है। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' के मुताबिक इससे सरकार को हर साल करीब 2.5 करोड़ डॉलर यानी 236 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आमदनी हो सकती है। यूक्रेन के एक सांसद के मुताबिक, इतनी रकम से 30 हजार ड्रोन खरीदे जा सकते हैं। यूक्रेन में पोर्नोग्राफी को पूरी तरह कानूनी दर्जा नहीं है। कानूनी दर्जा देने का मकसद सिर्फ सरकार की कमाई बढ़ाना नहीं है बल्कि भ्रष्टाचार के रास्ते भी बंद करना है।

प्रस्ताव के समर्थकों का तर्क है कि पुलिस को एडल्ट कंटेंट से जुड़े मामलों के बजाय गंभीर अपराधों पर ज्यादा ध्यान देने का मौका मिलेगा। अभी इस कारोबार का बड़ा हिस्सा कानूनी कार्रवाई के डर से छिपकर चल रहा है। यूक्रेन की संसद ने जुलाई में इस बिल को पहली रीडिंग में मंजूरी दे दी थी। अब इसे दूसरी रीडिंग के लिए पेश किया जाना है। पहली रीडिंग में बिल के पक्ष में 231 सांसदों ने वोट दिया, जबकि 8 ने विरोध किया। 3 सांसद मतदान से दूर रहे।

सांसद यारोस्लाव झेलेजनियाक वित्त, टैक्स और बजट से जुड़े मामलों की समिति के चीफ हैं और इस बिल के सह लेखक हैं।

सांसद यारोस्लाव झेलेजनियाक वित्त, टैक्स और बजट से जुड़े मामलों की समिति के चीफ हैं और इस बिल के सह लेखक हैं।

कारोबार बड़ा, कानून आ रहा आड़े

यूक्रेन में एडल्ट कंटेंट का ऑनलाइन कारोबार तेजी से बढ़ा है। खासकर ओनली फैन्स जैसे प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में यूक्रेनी क्रिएटर्स काम कर रहे हैं। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' के मुताबिक, 2023 में करीब 8 हजार यूक्रेनियों ने ओनली फैन्स से 13.1 करोड़ डॉलर (1237 करोड़ भारतीय रुपए) से ज्यादा कमाए थे। यह सिर्फ ओनली फैन्स की कमाई है, पूरे एडल्ट-कंटेंट कारोबार का आंकड़ा नहीं है।
दिक्कत ये है कि यूक्रेन के मौजूदा कानून में पोर्न कंटेंट बनाना और बांटना गैरकानूनी है। ऐसे में क्रिएटर्स के लिए अपनी कमाई पर टैक्स देना भी आसान नहीं है।अगर वे अपनी कमाई सरकार को बताते हैं, तो उनकी पहचान सामने आ सकती है और पोर्न बनाने के मामले में उन पर कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524